चैत्र कृष्ण - 7 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 244 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 01-04-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 आडवाणी का जीवन त्याग, तप और समर्पण से परिपूर्ण : अमित शाह

6 राजनीति में बदल रहे नैतिकता के मायने

7 जन्म के समय मीना कुमारी को अनाथालय छोड़ आए थे पिता

## फर्स्ट टेक

### सदानंद वसंत दाते ने एनआईए प्रमुख का कार्यभार संभाला

**नई दिल्ली/भाषा।** मुंबई पर 26 नवंबर 2008 में हुए आतंकी हमले के दौरान बहादुरी से आतंकवादियों से लोहा लेने की वजह से नायक बनकर उभरे सदानंद वसंत दाते ने रविवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) प्रमुख का कार्यभार संभाला। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। मुंबई पर हुए हमले को 26/11 के हमले के रूप में जाना जाता है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1990 बैच के महाराष्ट्र कैडर के अधिकारी दाते ने दिनकर गुप्ता का स्थान लिया, जो रविवार को सेवानिवृत्त हुए। एनआईए प्रमुख बनने से पहले दाते महाराष्ट्र में आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे।

### नेपाल और भारत संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए करेंगे सहयोग

**काठमांडू/भाषा।** नेपाली और भारतीय संस्कृत विद्वानों ने हर साल एक अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव दिया है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। विद्वानों ने संस्कृत ग्रंथों, विशेषकर हिमालयी राष्ट्र में पाई जाने वाली पांडुलिपियों पर शोध करने और प्रकाशन की व्यवस्था करने के लिए एक अध्ययन केंद्र स्थापित करने का भी प्रस्ताव दिया। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार काठमांडू में तीन दिवसीय नेपाल-भारत अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन के अंत में पांच सूत्री प्रस्ताव को अपनाते हुए प्रतिभागियों ने महर्षि सांदीपनि वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से नेपाल में गुरुकुल के विकास के लिए सहायता प्रदान करने का संकल्प भी अपनाया।

### ईडी ने 'गैंगस्टर' सुरेंद्र सिंह के रिश्तेदारों की संपत्तियां कुर्क की

**नई दिल्ली/भाषा।** लॉरेंस बिश्नोई गिरोह और अन्य के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत ''गैंगस्टर'' सुरेंद्र सिंह उर्फ चीकू के परिवार के सदस्यों की 17.82 करोड़ रुपए की बैंक जमा, नकदी और जमीन कुर्क की गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अचल संपत्तियां हरियाणा के नारनौल और राजस्थान के जयपुर में स्थित हैं। इसमें कहा गया है कि चीकू ''अपने गिरोह के सदस्यों के माध्यम से लॉरेंस बिश्नोई के अपराध से अर्जित पैसों को ठिकाने लगा रहा था

01-04-2024 सूर्यास्त 6:04 बजे | सूर्योदय 02-04-2024 6:20 बजे

| BSE | NSE |
|---|---|
| 73,635.48 (+639.16) | 22,326.90 (+203.25) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 7,055 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | 81,000 रु. प्रति किलो |

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### जमानती खेल

कौन जमानत दे किसको,
सारे रिमांड पर चढ़े हुए।
कब्रों से मुर्दे जिन्न हुए,
जो थे चित्रों में मढ़े हुए।
ईडी हो या सीबीआई,
सबके सवाल हैं गढ़े हुए।
वे स्वयं अँगूठा दिखा रहे,
जो कानूनों को पढ़े हुए।।

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रांतिधरा मेरठ से चुनावी शंखनाद करते हुये कहा**

# भ्रष्टाचार के खिलाफ हम झुकने वाले नहीं हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मेरठ/एजेन्सी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रांतिधरा मेरठ से चुनावी शंखनाद करते हुये रविवार को कहा कि कितना भी बड़ा भ्रष्टाचारी हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी और 'मोदी' झुकने वाला नहीं है। मोदी यहां मोदीपुरम स्थित केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के मैदान में आयोजित विशाल रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह (मोदी) भ्रष्टाचार पर कार्रवाई कर रहे हैं, तो कुछ लोग अपना आपा खो बैठे हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुये कहा, मोदी का मंत्र है, भ्रष्टाचार हटाओ! वे कहते हैं, भ्रष्टाचारी बचाओ!

प्रधानमंत्री ने कहा, वर्ष 2024 का चुनाव महज सरकार बनाने के लिये नहीं है, बल्कि दो खेमों की लड़ाई है। एक खेमा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का है, जो भ्रष्टाचार हटाने के लिये मैदान में है, जबकि दूसरा वह है, जो भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिये मैदान में है। उन्होंने कहा कि इन भ्रष्टाचारियों ने, इन बेइमानों ने जिनका धन लूटा है, उनका धन मुझे वापस लौटाना है और इन्हीं लोगों ने मिलकर एक इंडी गठबंधन बना लिया है।

मोदी ने कहा, इनको लगता है 'मोदी' इससे डर जायेगा, लेकिन मेरे लिये, मेरा भारत, मेरा परिवार है। अपने देश को भ्रष्टाचार से बचाने के लिये यह कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहूंगा और इसलिये बड़े-बड़े भ्रष्टाचारी आज सलाखों के पीछे हैं। उच्चतम न्यायालय तक से जमानत नहीं मिल रही है और उन्हें न्यायालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के किये कार्यों की कीमत देश को आज तक चुकानी पड़ रही है। ऐसे लोगों को देश कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने पर काम किया जा रहा है। नमो ड्रोन दीदी योजना भी गांव में बहनों का भाग्य बदलने जा रही है, इसमें महिला स्वयं सहायता समूह को आधुनिक ड्रोन दिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह ड्रोन हमारी खेती का भविष्य बदलने वाले हैं और उसे आसान करने वाले हैं। जब गांव की बेटियां ड्रोन पायलट बनेगी, उनका गौरव भी बढ़ेगा, उनकी कमाई भी बढ़ेगी और किसानी भी आसान हो जायेगी।

### कच्चातिवु द्वीप को फालतू बताकर कांग्रेस ने मां भारती का एक अंग काट दिया

रैली में मोदी ने कहा, तमिलनाडु में भारत के समुद्री तट से कुछ किलोमीटर की दूरी पर श्रीलंका और तमिलनाडु के बीच में एक द्वीप है, कच्चातिवु यह द्वीप सुरक्षा की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, देश आजाद हुआ तब हमारे पास था, यह हमारे भारत का अभिन्न अंग था, लेकिन कांग्रेस ने चार पांच दशक पहले कह दिया कि यह द्वीप तो फालतू है, यहां तो कुछ होता ही नहीं है। मोदी ने आरोप लगाया कि ''--- और यह कहते हुए मां भारती का एक अंग आजाद भारत में ये कांग्रेस के लोगों ने, इंडी एलायंस के साथियों ने काट दिया और भारत से अलग कर दिया। देश कांग्रेस के रवैये की कीमत आज तक चुका रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत के मछुआरे मछली पकड़ने समुद्र में जाते हैं, इस द्वीप की तरफ जाते हैं तो इन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता, उनके बोट को कब्जा कर लिया जाता है।

मोदी ने बहुत तीखे शब्दों में कहा, यह कांग्रेस के पाप का परिणाम है कि हमारे मछुआरे आज भी सजा भुगतते चले जा रहे हैं। कांग्रेस जब पास आती है तो उनकी बोलती बंद हो जाती है। द्रमुक जैसे कांग्रेस के साथी दल भी मुंह पर ताला लगाकर बैठ जाते हैं।

# राष्ट्रपति ने लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न प्रदान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को यहां उनके आवास पर जा कर उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' प्रदान किया।

राष्ट्रपति भवन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और आडवाणी के परिवार के सदस्य मौजूद रहे। इसने बताया कि राष्ट्रपति ने आडवाणी को उनके आवास पर जा कर उन्हें भारत रत्न प्रदान किया।

राष्ट्रपति ने जब आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया तो प्रधानमंत्री मोदी उनके बगल में बैठे दिखाई दिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित होते देखना बहुत खास था और यह सम्मान देश की प्रगति में उनके स्थायी योगदान की पहचान है। मोदी ने कहा, सार्वजनिक सेवा के प्रति उनका समर्पण और आधुनिक भारत को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका ने हमारे इतिहास पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मुझे इस बात पर गर्व है कि पिछले कई दशकों में मुझे उनके साथ बहुत करीब से काम करने का मौका मिला।

राष्ट्रपति भवन के अनुसार, भारतीय राजनीति के पुरोधा आडवाणी ने सात से अधिक दशकों तक अटूट समर्पण और प्रतिष्ठा के साथ देश की सेवा की। एक सांसद के रूप में संवाद पर उनकी आस्था ने संसदीय परंपराओं को समृद्ध किया है। राष्ट्रपति भवन ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि गृह मंत्री तथा उप प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा, जिससे उन्हें दलगत सीमाओं से परे जा कर लोगों ने सम्मान और प्रशंसा प्रदान की।

# विपक्ष ने मोदी के विरुद्ध भरी हुंकार

**केजरीवाल और सोरेन के लिए आवाज उठाई, लोकतंत्र बचाने और निष्पक्ष चुनाव पर जोर दिया**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के प्रमुख नेताओं ने रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पक्ष में आवाज बुलंद की तथा देश में लोकतंत्र एवं संविधान को बचाने तथा लोकसभा चुनाव में निष्पक्षता सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी द्वारा दिए गए '400 पार' के नारे को लेकर भी सवाल खड़े किए और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा केजरीवाल और सोरेन के समर्थन और जांच एजेंसियों के 'दुरुपयोग के खिलाफ रामलीला मैदान में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ महारैली' के मंच पर पहुंचे।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की सुप्रीमो महबूबा मुफ्ती, द्रमुक के तिरुचि शिवा, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्रायन एवं सागरिका घोष तथा कई अन्य दलों के नेता भी इस जनसभा में शामिल हुए।

इस मौके पर केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी मंच पर मौजूद थीं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केजरीवाल और सोरेन को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया है। दोनों फिलहाल जेल में हैं।

विपक्ष की रैली में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस लोकसभा चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' की कोशिश कर रहे हैं, ताकि भारी बहुमत से चुनाव जीतकर संविधान खत्म किया जा सके। गांधी ने लोगों का आह्वान किया कि वे इस 'मैच फिक्सिंग' को रोकने के लिए पूरी ताकत से मतदान करें, क्योंकि यह संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। राहुल गांधी ने कहा, कांग्रेस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। चुनाव के बीच में ही सबसे बड़े विपक्षी दल के खाते फ्रीज कर दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मैच 'फिक्सिंग' का एक लक्ष्य है कि संविधान को गरीब जनता से छीना जा सके।

### कांग्रेस को 1,745 करोड़ की कर अदायगी का नया नोटिस मिला

**नई दिल्ली/भाषा।** लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस को आयकर विभाग से एक बार फिर नया नोटिस मिला, जिसके जरिये आकलन वर्ष 2014-15 से 2016-17 तक के लिए 1,745 करोड़ रुपए के कर की मांग की गई है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। आयकर विभाग द्वारा कांग्रेस से अब तक कुल कुल 3,567 करोड़ रुपए के कर की मांग की जा चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, ताजा नोटिस 2014-15 (663 करोड़ रुपए), 2015-16 (करीब 664 करोड़ रुपए) और 2016-17 (करीब 417 करोड़ रुपए) से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने राजनीतिक दलों को मिलने वाली कर छूट समाप्त कर दी है और पार्टी पर कर लगा दिया है।

# आज के युवा सरकारी नौकरियों के पीछे नहीं भागते बल्कि वे नौकरियां देते हैं : पीयूष गोयल

**मुंबई/भाषा।** केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि आज के युवा सरकारी नौकरियों के पीछे नहीं भागते बल्कि वे नौकरियां देते हैं। उन्होंने शनिवार रात उत्तरी मुंबई लोकसभा क्षेत्र के मलाड उपनगर में आदर्श कल्याण एसोसिएशन के निवासियों की सभा को संबोधित करते हुए यह कहा। गोयल उत्तरी मुंबई लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। इस लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के निवर्तमान सदस्य गोपाल शेट्टी ने भी सभा को संबोधित किया और आवासीय परिसर के सदस्यों से गोयल को वोट देने का अनुरोध किया।

गोयल ने कहा, आज के युवक-युवतियां सरकारी नौकरियों के पीछे नहीं भागते, बल्कि वे अपनी प्रतिभा के दम पर नौकरी देने वाले बन रहे हैं। आज के युवा नए प्रयोग और नवोन्मेष के जरिए देश को आगे बढ़ा रहे हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्री गोयल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 10 साल में भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए। उन्होंने सभी क्षेत्रों में सुशासन लाने का प्रयास किया। वे गरीबों के कल्याण के लिए कई योजनाएं लाए।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में लाने के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत एक विकसित देश बन जाएगा और इसकी 10 गुना बड़ी अर्थव्यवस्था होगी।

# मुकेश और खलील ने चेन्नई को किया पस्त

**इंडियन प्रीमियर लीग 2024**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**विशाखापत्तनम/एजेन्सी।** डेविड वॉर्नर और ऋषभ पंत की अर्धशतकीय पारियों के बाद मुकेश कुमार तथा खलील अहमद की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 20 रनों से हरा दिया है।

192 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिये। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ एक रन, रचिन रविंद्र दो रन बनाकर पवेलियन लौटे। दोनों बल्लेबाजों को खलील अहमद ने आउट किया। इसके बाद अजिंक्य रहाणे और डैरिल मिचेल ने तीसरे विकेट के लिये 72 रन जोड़े। अजिंक्य रहाणे ने 30 गेंदों में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 45 रनों की पारी खेली। डैरिल मिचेल ने 26 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों की मदद से 34 रन बनाये। शिवम दुबे 18 रन बनाकर आउट हुये। समीर रिजवी अपन खाता भी नहीं खोल सके। मुकेश कुमार ने रहाणे, दुबे और रिजवी को आउट कर चेन्नई की कमर तोड़ दी। रवींद्र जडेजा 21 रन, महेन्द्र सिंह धोनी 37 रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 171 रन ही बना सकी और 20 रनों से मुकाबल हार गई।

दिल्ली की ओर से मुकेश कुमार ने तीन विकेट लिये। खलील अहमद को दो विकेट मिले। अक्षर पटेल ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

# वैश्विक शांति और क्षेत्रीय समृद्धि के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम करना चाहता है पाकिस्तान : शरीफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**इस्लामाबाद/भाषा।** प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को राष्ट्रपति जो बाइडन से कहा कि पाकिस्तान अमेरिका के साथ रिश्तों को बहुत महत्व देता है और वैश्विक शांति व क्षेत्र की समृद्धि के साझा लक्ष्य को हासिल करने के लिए मिलकर काम करना चाहता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने शरीफ को पत्र लिखकर आश्वासन दिया था कि अमेरिका सबसे गंभीर वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए पाकिस्तान के साथ खड़ा रहेगा। बाइडन के पत्र पर शरीफ ने प्रतिक्रिया दी है।

पाकिस्तान की नई सरकार से हुए अपने पहले संचार में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देशों के बीच स्थायी साझेदारी हमारे लोगों व दुनिया भर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण बनी हुई है।

पिछले हफ्ते यहां अमेरिकी दूतावास द्वारा शरीफ को जारी बाइडन के पत्र में कहा गया है, हम साथ मिलकर अपने देशों के बीच एक मजबूत साझेदारी और लोगों के बीच घनिष्ठ संबंध बनाना जारी रखेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के पत्र के जवाब में प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी संदेश में शरीफ ने कहा: पाकिस्तान वैश्विक शांति व सुरक्षा और क्षेत्र के विकास व समृद्धि के साझा लक्ष्य की दिशा में अमेरिका के साथ काम करने का इच्छुक है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है। शरीफ ने कहा कि दोनों देश ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं।

# भाजपा ने मैच-फिक्सिंग वाले बयान के लिए राहुल गांधी पर पलटवार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ मैच फिक्सिंग के आरोप के लिए राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि अतीत में कांग्रेस सरकार ने पार्टी के प्रथम परिवार को लाभ पहुंचाने के लिए पड़ोसी देश श्रीलंका के साथ एक 'सौदा' करके कच्चातिवु द्वीप उसे सौंप दिया था।

गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर लोकसभा चुनावों में 'मैच फिक्सिंग' करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर भाजपा अपने प्रयासों में सफल हो गई, तो देश का संविधान बदल दिया जाएगा और लोगों के अधिकार छीन लिए जाएंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधी के इस दावे को लेकर कांग्रेस की आलोचना की कि अगर भाजपा सत्ता में लौटी और संविधान बदला गया तो पूरे देश में आग लग जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाजनकारी राजनीतिक कांग्रेस के 'डीएनए' में है।

पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 1947 में धर्म के आधार पर देश का विभाजन और जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से को पाकिस्तान के कब्जे में छोड़ने भी संकोच नहीं किया।

गांधी ने यहां रामलीला मैदान में आयोजित 'इंडिया' गठबंधन की लोकतंत्र बचाओ रैली में कहा कि यह कोई सामान्य चुनाव नहीं बल्कि देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है।

गांधी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूनावाला ने कहा, कुछ लोग मैच फिक्सिंग के बारे में बात कर रहे हैं। 1974 में, इंदिरा गांधी सरकार ने राष्ट्र हित और तमिलनाडु के लोगों के हितों से समझौता करते हुए, कांग्रेस के प्रथम परिवार को लाभ पहुंचाने के लिए कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया था...राहुल गांधी जी, आपके परिवार ने एक डील-फिक्सिंग की थी।

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर अक्साई चीन को चीन के अवैध कब्जे में और जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से को पाकिस्तान के अवैध कब्जे में देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने 1947 में भारत के विभाजन के लिए भी कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। पूनावाला ने कहा, आज कांग्रेस के प्रथम परिवार के वंशज, दक्षिण में उनकी पार्टी के सहयोगी (द्रमुक) के साथ मिलकर, अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति का पालन करते हुए उत्तर-दक्षिण विभाजन पैदा करने के अपने प्रयास में देश को जाति और भाषा के आधार पर विभाजित करने की बात करते हैं।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया, देश के साथ गद्दारी, राष्ट्रीय हित के साथ समझौता, विभाजनकारी नीतियां कांग्रेस के डीएनए का हिस्सा रही हैं। इसने हमेशा अपने प्रथम परिवार के हित और अपनी महत्वाकांक्षाओं को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखा है।

# तीन निर्दलीय विधायकों का इस्तीफा स्वीकार न किया जाना अवैध : हिमाचल भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हिमाचल प्रदेश इकाई ने राज्य विधानसभा से तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे स्वीकार नहीं होने को रविवार को ''असंवैधानिक और अवैध'' करार दिया। भाजपा के राज्य मीडिया प्रभारी एवं विधायक रणधीर शर्मा ने यहां मीडियाकर्मियों से कहा, निर्दलीय विधायकों का इस्तीफा स्वीकार नहीं करना असंवैधानिक और अवैध है क्योंकि जब कोई विधायक व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर इस्तीफा देता है तो संवैधानिक प्रावधान के अनुसार उसका इस्तीफा स्वीकार किया जाना चाहिए। तीन निर्दलीय विधायकों देहरा से होशियार सिंह, हमीरपुर से आशीष शर्मा और नालागढ़ से के. एल. ठाकुर ने हाल में संपन्न राज्यसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन के पक्ष में वोट दिया था। उन्होंने 22 मार्च को विधानसभा से अपना इस्तीफा दे दिया था और अगले दिन भाजपा में शामिल हो गए थे।

विधानसभा ने कांग्रेस विधायक दल के एक अभ्यावेदन के बाद इन विधायकों से 10 अप्रैल तक स्पष्टीकरण मांगा था। इन तीनों विधायकों ने शनिवार को विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया था और कहा था कि उन्होंने सोच-विचार कर इस्तीफा दिया है क्योंकि उन्हें ''अपमानित'' किया जा रहा है। शर्मा ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव और विधानसभा उप-चुनावों में हार का सामना करने के कारण कांग्रेस ''हतोत्साहित'' हो गई है, और इसलिए चुनाव में देरी कर रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को यह भी पता है कि आगामी उपचुनाव में भी सभी छह सीट भाजपा ही जीतेगी और अगर ये तीनों निर्दलीय विधायक भाजपा में शामिल होकर चुनाव जीत गए तो प्रदेश में कांग्रेस सरकार का अस्तित्व खत्म हो जाएगा।

# 'साहित्य मधुशाला' की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी में बरसे होली के रंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। मैसूर की साहित्यिक संस्था साहित्य मधुशाला द्वारा शनिवार को होली मिलन पर ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें देश विदेश के रचनाकारों ने अपनी रचनाओं से मंच को रंगीन बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बेंगलूरु के कवि राजेंद्र गुलेच्छा राज' ने की। उन्होंने दीप प्रज्वलन करके किया। माँ सरस्वती की वंदना जय माँ शारदे संगीता चौधरी ने की। कार्यक्रम का संचालन संस्थापक अध्यक्ष उषा जैन केडिया ने अपने चिर-परिचित अन्दाज़ में चार पंक्तियों के माध्यम से सबको बारी-बारी से रचना प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित करके किया। कोलकाता से जुड़ी कवयित्री संगीता चौधरी, कोलकाता से ही वरिष्ठ लेखिका हिम्मत चोरड़िया ने अपनी अपनी रचना प्रस्तुत की। बाँसुरी वादक दिलीप गांधी ने अपनी रचना तपती ये धरती' के माध्यम से पर्यावरण की सुरक्षा का संदेश दिया। काठमाण्डू नेपाल के कवि जयप्रकाश अग्रवाल, भिलाई से जुड़े कवि हरिप्रकाश गुप्ता, जमशेदपुर से जुड़ी लक्ष्मीसिंह रूबी, नागपुर की लेखिका मीरा रायकवार, खरसिया की लेखिका ने अपनी अपनी रचना द्वारा अपनी भावनाएं अभिव्यक्त कीं। बेंगलूरु से दीपिका मिश्रा ने होली खेलन पिया संग आयी' रचना द्वारा अपनी व्यथा को प्रकट किया। बेंगलूर के लेखक आनंद दाधीच ने फूलों से झूम रहे डाल' रचना से मंच पर गुलाल उड़ा दिया। कोलकाता की ग़ज़लकारा ऊषा उर्वशी ने हरियाणवी में मेरा घना कालजा धड़कै स' गीत सुना मंच को मोह लिया। चेन्नई के वरिष्ठ गीतकार नैनमल जैन ने अपने गीत की सुंदर प्रस्तुति दी। बेंगलूरु के कवि व

कार्यक्रम के अध्यक्ष जैन राजेंद्र गुलेच्छा राज ने 'चेहरा सजा कर रखते हैं, रचना के द्वारा मुखौटा पहने लोगों पर' तीखा व्यंग्य किया।

संस्था की अध्यक्ष एवं संचालिका उषा केडिया ने 'फीकी पड़ गई श्याम मोरी चुनरिया' रचना के माध्यम जीवन के विभिन पहलुओं को दर्शाया। उसके बाद प्रस्तुतियों पर कार्यक्रम के अध्यक्ष राजेंद्र गुलेच्छा ने सभी रचनाओं की बहुत ही सुंदर समीक्षाएं की। संगीता चौधरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात गोष्ठी का विधिवत समापन हुआ।

# मित्र ज्योति के वार्षिकोत्सव में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने सबका मन मोहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दृष्टिबाधितों के जीवन उत्थान एवं सशक्तिकरण के लिए उम्मीद की किरण संस्था 'मित्र ज्योति' ने शनिवार को विद्यार्थियों की मनमोहक रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच अपना 34वां वार्षिकोत्सव उत्साह व उमंग के साथ धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की मनमोहक गीत-संगीत व नाट्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध करने के साथ जमकर तालियाँ बटोरी। वार्षिकोत्सव की शुरुआत विशिष्ट अतिथि सिंधी कॉलेज के शैक्षणिक अनुसंधान प्रमुख डॉ. राजदीप मनवानी, मित्र-ज्योति के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश गोयल, संस्था की संस्थापक और प्रबंध न्यासी सुश्री मधु सिंघल एवं डॉ. संजय जैन सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। छात्र प्रतिनिधि सुश्री लक्ष्मी, सदस्य ट्रस्टी तथा मित्र ज्योति की कार्यकारी निदेशक सुश्री आशा श्रीधर ने मंगलाचरण गीत की सुमधुर प्रस्तुति दी। इसके पश्चात प्रबंध न्यासी सुश्री मधु सिंघल ने अतिथियों एवं आगन्तुकों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए अपने सभी प्रायोजकों, स्वयंसेवकों और शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके अटूट समर्थन व सहयोग से संस्था निरंतर प्रगति पथ पर आगे बढ़ते हुए सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से ही संस्था ने अब तक का यह सफर तय किया है। मित्र ज्योति की कार्यकारी निदेशक सुश्री आशा श्रीधर ने संस्था के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से दृष्टिबाधित समुदाय के लोगों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए वर्ष 2023-24 में संगठन की उल्लेखनीय उपलब्धियों और प्रमुख गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। वार्षिकोत्सव का मुख्य आकर्षण संस्था के संकल्पनिष्ठ समर्पित स्वयंसेवकों का उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मान करने का कार्यक्रम रहा। इन स्वयंसेवकों का निस्वार्थ सेवा भाव से दिये जाने वाले योगदान की संगठन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम के दौरान संस्था द्वारा संचालित डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम के 55वें बैच के सफल विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किये गये। इस पाठ्यक्रम की मदद से उन्हें सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निपुण बनने और उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में आसानी होगी। 34वें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों तथा संस्था से जुड़े स्वयंसेवकों ने मित्र ज्योति से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया। विद्यार्थियों ने कहा कि यहाँ आकर ज्ञानार्जन और प्रशिक्षण हासिल करने से उनके जीवन में सकारात्मक एवं प्रभावी बदलाव आया है। मित्र ज्योति के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया। गीत-संगीत से लेकर नृत्य और सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों पर केन्द्रित लघु नाटिकाओं के मंचन के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश देने का सफल प्रयास किया गया। इस अवसर पर विद्यासागर गुप्ता, कांता सिंघल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, मित्र ज्योति स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

# हरित पहल सम्मेलन का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विजय संभव फाउंडेशन और कावेरी अस्पताल ने मिलकर स्वास्थ्य और हरित पहल सम्मेलन का आयोजन किया। मानव स्थिरता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक उल्लेखनीय कार्य करते हुए विजय संभव फाउंडेशन और कावेरी हॉस्पिटल ने एक अभिनव स्वास्थ्य और हरित पहल की शुरुआत की जो कावेरी अस्पताल के कांफ्रेंस रूम में किया गया। इस पहल की शुरूआत कावेरी हॉस्पिटल के मेडिकल निदेशक डॉ. महेंद्र ने किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डा राममोहन श्रीपद भट ने किडनी से सम्बन्धित रोग, उसे कैसे स्वस्थ रखें इत्यादि विषय पर प्रकाश डाला।

इसी क्रम में डॉ. हेमा वेंकटरमन ने थायरॉइड से संबंधित विषय पर प्रकाश डालते हुए यह बताया की कैसे इस थायरॉइड हार्मोन को कंट्रोल किया जाए। इस सम्मेलन में पर्यावरण को बचाने के लिए ग्रीन इनिसिएटिव, हैशटैग नो यूज टू प्लास्टिक को आगे बढ़ाते हुए फाउंडेशन के ब्रांड एंबेसडर मनोज चोपड़ा ने एवं टीम वीएसएफ़ ने सभी लोगों को विजय संभव फाऊंडेशन की तरफ से सूती कपड़ों से बने बैग उपलब्ध कराते हुए उन सभी को संकल्प दिलाया कि हम सभी अब प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कावेरी हॉस्पिटल के जनरल मैनेजर सुरेश डी लमानी, विकास, नवीन आदि विजय संभव फाउंडेशन के अध्यक्ष रवि राजहंस, कानूनी सलाहकार सोनल कीर्ती, फाउंडेशन के सदस्य जितेंद्र, चिन्ना,विजय शंकर गुप्ता, भुवनेश गुप्ता, हर्षा गुप्ता, सोमनाथ चौरासिया, प्रशांत उपाध्याय, राजकुमार शर्मा, अजीत सिंह, वीना, वैभव, पूरक मोहन्ति,नवीन इत्यादि का सराहनीय योगदान रहा।

# मूक पशुओं को दूधदान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी द्वारा रास्ते में फिरते बेसहारा मूक श्वानों के लिए दूधदान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने दूधदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान करने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने कहा कि भीषण गर्मी के इस काल में जहां मनुष्य भी त्रस्त है वहां मूक बेसहारा प्राणियों के लिए भी जीवदया का भाव मन में रखते हुए श्वानों को एक समय के लिए थोड़ी देर के लिए साता पहुंचाने की भावना से ठण्डा दूध पिलाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

# चुनाव लड़ना हमेशा एक चुनौती की तरह होता है: परनीत कौर

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता परनीत कौर ने रविवार को पटियाला लोकसभा सीट से एक बार फिर अपनी जीतका भरोसा जताया और कहा कि पार्टी आगामी आम चुनाव में अपने प्रदर्शन से पंजाब में अपनी स्थिति मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, यह पहली बार है कि भाजपा (पटियाला से) लड़ेगी लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि हमें बहुत अच्छे नतीजे मिलेंगे।

इस महीने की शुरुआत में भाजपा में शामिल हुईं कौर ने कहा कि चुनाव लड़ना हमेशा एक चुनौती की तरह होता है।

पटियाला में उनका मुकाबला आम आदमी पार्टी (आप) उम्मीदवार एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह से होगा। कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने अभी तक इस सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। इस सीट पर कौर ने 1999, 2004, 2009 और 2019 में जीत हासिल की थी।

कौर (79) ने कहा, चुनाव लड़ना हमेशा एक चुनौती की तरह होता है। इसे कोई भी कभी हल्के में नहीं ले सकता।

कौर को उनके पति एवं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के भाजपा में शामिल होने के तुरंत बाद पिछले साल फरवरी में कांग्रेस ने निलंबित कर दिया था।

अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वियों के बारे में उन्होंने कहा, चार मुख्य दल हो सकते हैं और निर्दलीय भी हो सकते हैं। सांसद ने कहा कि उनके पति और बेटी जय इंद्र कौर आगामी चुनावों में उनके लिए प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा, पूरा परिवार (मेरे लिए) प्रचार करेगा। इसमें परिवार के सदस्यों के अलावा पार्टी के सदस्य भी होंगे।

कौर ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि लोकसभा चुनाव के बाद, भाजपा 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में भी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

भाजपा 2024 का लोकसभा चुनाव अपने दम पर लड़ रही है। इससे पहले, उसने शिअद के साथ गठबंधन में संसदीय और विधानसभा चुनाव लड़ा था।

दोनों पार्टियों ने 1996 में अपना गठबंधन बनाया था। वर्ष 2019 में शिअद और भाजपा ने पंजाब में दो-दो लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी।

# भारतीय विमानन बाजार में स्वस्थ, कड़ी प्रतिस्पर्धा : इंडिगो सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के प्रमुख पीटर एल्बर्स ने कहा कि भारतीय बाजार में स्वस्थ और कड़ी प्रतिस्पर्धा है। उन्होंने यह भी कहा कि बाजार किराए के प्रति संवेदनशील है और यहां हवाई यात्रा की भारी मांग है। इंडिगो के पास 60 प्रतिशत से अधिक घरेलू बाजार हिस्सेदारी है और इसके बेड़े में 360 से अधिक विमान शामिल हैं।

देश में हवाई यात्रा की भारी मांग है और एयरलाइंस नए गंतव्यों को जोड़कर अपने परिचालन का विस्तार कर रही हैं। हालांकि कुछ क्षेत्रों में खासकर व्यस्त सत्र के दौरान हवाई किराए के अधिक होने को लेकर चिंताएं भी हैं।

पीटीआई-भाषा के साथ हाल में एक साक्षात्कार के दौरान एल्बर्स ने कहा कि भारतीय बाजार में स्वस्थ और कड़ी प्रतिस्पर्धा है।

इंडिगो के सीईओ ने कहा, भारतीय उपभोक्ता वास्तव में यात्रा करने के लिए उत्सुक हैं, लेकिन वे किराए को लेकर संवेदनशील भी हैं। मैंने देखा है कि जब भी किसी नए मार्ग की घोषणा की जाती है, तो उपभोक्ताओं की ओर से यात्रा करने की भारी मांग होती है।

भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में एक है। यहां हर दिन औसतन 4.3-4.5 लाख यात्री सफर करते हैं। घरेलू एयरलाइंस ने 2023 में 15.20 करोड़ से अधिक यात्रियों को मंजिल तक पहुंचाया।

एल्बर्स ने कहा, भारत वास्तव में एक मूल्य संवेदनशील बाजार है, और हम कीमतों में कुछ उतार-चढ़ाव देखते हैं... ऐसा हम होटलों के लिए देखते हैं, हम इसे अन्य व्यवसायों और एयरलाइंस के लिए भी देखते हैं। उन्होंने कहा कि अगर समग्र मूल्य स्तर को देखें, तो भारत दुनिया के कुछ अन्य हिस्सों की तुलना में बहुत प्रतिस्पर्धी है।

# सीबीआईसी ने जीएसटी जांच के लिए दिशानिर्देश जारी किए, बड़ी कंपनियों के लिए पूर्व मंजूरी जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों को अब किसी भी बड़े औद्योगिक घराने या प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले अपने क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्तों की मंजूरी लेनी होगी। उन्हें पहली बार वस्तुओं/सेवाओं पर शुल्क लगाने के लिए भी क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्तों की मंजूरी लेनी होगी।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) अधिकारियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

इन दिशानिर्देशों के अनुसार जब एक करदाता की जांच राज्य जीएसटी और डीजीजीआई अधिकारी कर रहे हैं, तो प्रधान आयुक्त इस संभावना पर विचार करेंगे कि करदाता के संबंध में सभी मामलों को एक कार्यालय द्वारा आगे बढ़ाया जाए। दिशानिर्देशों में कर अधिकारियों के लिए जांच शुरू होने के एक साल के भीतर जांच पूरी करने की समय सीमा भी तय की गई है।सीबीआईसी ने आगे कहा कि किसी सूचीबद्ध कंपनी या पीएसयू के संबंध में जांच शुरू करने या उनसे विवरण मांगने के लिए सीजीएसटी अधिकारियों को इकाई के नामित अधिकारी को समन भेजने के बजाय आधिकारिक पत्र जारी करना चाहिए। बोर्ड ने कहा कि इस पत्र में जांच के कारणों का विवरण देना चाहिए और उचित समय अवधि के भीतर दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की मांग करनी चाहिए।

इसमें आगे कहा गया है कि कर अधिकारियों को करदाता से वह जानकारी नहीं मांगनी चाहिए, जो जीएसटी पोर्टल पर पहले से ही ऑनलाइन उपलब्ध है।

दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि प्रत्येक जांच प्रधान आयुक्त की मंजूरी के बाद ही शुरू की जानी चाहिए। हालांकि, चार श्रेणियों में जांच शुरू करने और कार्रवाई करने के लिए क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्त की लिखित में पूर्व मंजूरी की जरूरत होगी।

इन चार श्रेणियों में किसी भी क्षेत्र/वस्तु/सेवा पर पहली बार कर/शुल्क लगाने की मांग करने वाली व्याख्या के मामले शामिल हैं। इसके अलावा बड़े औद्योगिक घराने और प्रमुख बहुराष्ट्रीय निगम से जुड़े मामले, संवेदनशील मामले या राष्ट्रीय महत्व के मामले और ऐसे मामले जो पहले से ही जीएसटी परिषद के समक्ष हैं, इसमें शामिल हैं।

# मोदी के 370 का लक्ष्य हासिल करने में दक्षिण भारत करेगा मदद, भाजपा की टीआरपी सबसे ज्यादा : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 370 सीट जीतने के लक्ष्य को लेकर पूरा भरोसा जताते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने कहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी की मौजूदा 288 सीट में अतिरिक्त सीट दक्षिण भारत से जुड़ेंगी। नागपुर स्थित अपने आवास पर 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में गडकरी ने कहा कि उनके मन में इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 सीट के आंकड़े को पार करेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा किए गए ठोस कार्यों के कारण मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि मोदी सरकार विपक्ष को कमजोर करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रतिद्वंद्वियों को लोगों का विश्वास जीतकर विपरीत परिस्थितियों से उबरने का प्रयास करना चाहिए। गडकरी ने कहा, क्या विपक्ष को कमजोर या मजबूत बनाना हमारी जिम्मेदारी है? जब हमारे पास सिर्फ दो सांसद थे और

हम कमजोर थे तो हमें सहानुभूति के तौर पर कभी कोई पैकेज नहीं मिला।

वह लोकसभा के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए नागपुर से एक बार फिर चुनाव मैदान में हैं। गडकरी ने शनिवार को नागपुर में बड़े रोड शो के जरिये अपना प्रचार अभियान शुरू किया। उनकी गाड़ियों का काफिला लोगों के हुजूम में रेंग रहा था और लोग 40 डिग्री सेल्सियस तापमान के बावजूद गडकरी का स्वागत करने के लिए खड़े थे। यह कार्यक्रम दो घंटे का था, लेकिन यह चार घंटे में खत्म हुआ। उनके समर्थकों ने गुलाब उड़ाया, जिससे वह पूरी तरह सराबोर हो गये और जहां कहीं भी वह रुके, लोगों ने उन्हें कुछ न कुछ खाने की पेशकश की। गडकरी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भाजपा अपने कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के कारण मजबूत होकर उभरी है और विपक्ष को भी लोगों का विश्वास हासिल करने के लिए प्रयास करना होगा।

उन्होंने कहा, लोकतंत्र की प्रकृति ऐसी है कि यह बदलता रहता है। आप चाहे जो भी भूमिका निभाएं, आपको हमेशा प्रयास करते रहना होगा और विपरीत परिस्थितियों से उबरना होगा। यह किसी भी विपक्षी दल के लिए महत्वपूर्ण है। गडकरी से भाजपा के 370 और राजग के 400 सीट से अधिक सीट जीतने के गणित के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, राज्यवार विश्लेषण करने की जरूरत नहीं है। इस बार हम दक्षिण भारत में सफलता हासिल करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमने पिछले 10 वर्षों में दक्षिण और पूर्वोत्तर (भारत) में जो काम किया है...उसी का परिणाम हमें मिलना शुरू हो गया है। गडकरी ने कहा, हमने तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में कड़ी मेहनत की है। इन राज्यों में हमारी मौजूदगी बहुत कम थी। इस बार हम तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

# कांग्रेस, द्रमुक ने कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंपने के लिए मिलीभगत की : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने रविवार को कांग्रेस और द्रमुक पर साठगांठ कर कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंपने का आरोप लगाया। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी पर इंडिया गठबंधन के विरोध पर अन्नामलाई ने 'एक्स' पर कहा कि उन्हें कच्चातिवु मुद्दे पर उनके आरटीआई आवेदन के अनुसार दस्तावेज प्राप्त हुए थे और उन्होंने पाया कि कांग्रेस पार्टी ने कितनी बेरहमी से श्रीलंका के हाथों भारत के हिस्से को छिन जाने दिया था।

भाजपा नेता ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 10 मई, 1961 को इस मुद्दे को अप्रासंगिक बताते हुए खारिज कर दिया था और कहा था कि उन्हें द्वीप पर दावा छोड़ने में कोई हिचकिचाहट नहीं है। अन्नामलाई ने कहा कि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार, नेहरू ने तब लिखा था, मुझे इस पर अपना दावा छोड़ने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी। मुझे यह पसंद नहीं है कि यह अनिश्चित काल तक लंबित रहे और इसे संसद में दोबारा उठाया जाए।

भाजपा नेता ने कहा कि भारत के एक अत्यधिक सम्मानित कानूनविद और तत्कालीन अटॉर्नी जनरल सी.एस. सीतलवाड ने 1960 में कहा था कि भारत का इस द्वीप पर अधिक मजबूत दावा है और दावा किया था कि ईस्ट इंडिया कंपनी ने द्वीप के जमींदारी अधिकार रामनाद (रामनाथपुरम) के राजा

को दिए थे। अन्नामलाई ने यह भी कहा कि विदेश मंत्रालय (कानून और संधि) के तत्कालीन संयुक्त सचिव कृष्ण राव ने भी कहा था कि भारत के पास एक अच्छा कानूनी मामला है और उस पर काफी मजबूती से बहस की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि तत्कालीन विपक्ष ने श्रीलंका (तत्कालीन सीलोन) की संसद में वहां के प्रधानमंत्री डी.एस. सेनानायके और स्थानीय पदाधिकारियों के इन बयानों का विरोध नहीं करने के लिए भारत सरकार को फटकार लगाई थी जिनमें उन्होंने कच्चातिवु को श्रीलंका का हिस्सा बताया था। भाजपा नेता ने कहा कि 1973 में कोलंबो में विदेश सचिव स्तर की वार्ता के बाद जून 1974 में भारतीय विदेश सचिव केवल सिंह ने तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि को भारत के दावों को छोड़ने के निर्णय से अवगत कराया गया था। अन्नामलाई ने कहा कि रिकॉर्ड के अनुसार, करुणानिधि ने भी सहमति दी थी। भाजपा नेता ने कहा कि समझौते में एक खंड था कि तमिलनाडु के भारतीय मछुआरे कच्चातिवु का उपयोग कर सकते हैं और वे वहां अपना जाल सुखा सकते हैं। अन्नामलाई के अनुसार, यह मछुआरा समुदाय के संभावित विद्रोह को रोकने के लिए था, लेकिन उन्होंने कहा कि एक साल बाद इस अनुच्छेद को रद्द कर दिया गया था। अन्नामलाई ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और द्रमुक ने मिलीभगत करके जमीन का एक टुकड़ा श्रीलंका को दे दिया और उसे खोने से रोकने के लिए कोई उपाय भी नहीं किया।

## प्रधानमंत्री के प्रयासों से तमिलनाडु में भाजपा को मिल रही है मजबूती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं कि उनकी पार्टी भाजपा तमिलनाडु में ज्यादा से ज्यादा लोकसभा सीटें जीते। दक्षिणी हृदयभूमि की नियमित यात्राओं और तमिल सांस्कृतिक प्रतीकों को उजागर करने से लेकर एक प्रमुख क्षेत्रीय चैनल को साक्षात्कार देने तक प्रधानमंत्री राज्य में भाजपा को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। अयोध्या मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्रतिष्ठा से ठीक पहले प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु के मंदिर शहरों रामेश्वरम और तिरुचि गए थे।

उन्होंने सार्वजनिक रूप से द्रमुक पर निशाना साधा है और वंशवाद की राजनीति के लिए सत्तारूढ़ दल की आलोचना की है। यहां तक कि उन्होंने द्रमुक को '5जी पार्टी' भी करार दिया – जो करुणानिधि परिवार की पांचवीं पीढ़ी के प्रभुत्व का व्यंग्यात्मक संदर्भ था।

प्रधानमंत्री ने हाल ही में नशीले पदार्थों की एक बड़ी खेप की जब्ती को लेकर द्रमुक पर भी निशाना साधा और कहा कि तमिलनाडु ड्रग्स का केंद्र बनता जा रहा है। सीधे संवाद के अलावा, वह नमो ऐप के जरिए जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं तक भी पहुंचे और कुछ घंटों तक उनके साथ बातचीत की।

भाजपा का लक्ष्य तमिलनाडु में कम से कम चार सीटें कोयंबटूर, तिरुनेलवेली, कन्याकुमारी और मदुरै जीतने का है। पार्टी राज्य में कुछ और सीटें जीतने का भी लक्ष्य बना रही है और विरुधनगर और नीलगिरि पर ध्यान केंद्रित किया है, और उम्मीद कर रही है कि उसकी सहयोगी पीएमके एनडीए के लिए धर्मपुरी सीट जीतेगी। एक लोकप्रिय तमिल चैनल के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत रविवार शाम को प्रसारित की जाएगी और राजनीतिक पर्यवेक्षक इसे दक्षिणी राज्य में बड़े दर्शकों तक सीधे अपना संदेश पहुंचाने के कदम के रूप में देख रहे हैं।

### जाफर सादिक ड्रग्स रैकेट मामला :

## एनसीबी ने तमिल फिल्म निर्माता अमीर को तलब किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने द्रमुक के पूर्व पदाधिकारी जाफर सादिक से जुड़े दो हजार करोड़ रुपये के अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी मामले में पूछताछ के लिए तमिल फिल्म निर्माता अमीर को तलब किया है। अमीर ने सादिक द्वारा निर्मित एक फिल्म का निर्देशन किया है जो अभी रिलीज नहीं हुई है। उन्हें 2 अप्रैल को एनसीबी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सादिक के दो अन्य व्यापारिक सहयोगियों, अब्दुल फाजिद बुहारी और सैयद इब्राहिम को भी एनसीबी ने तलब किया है। सादिक को एनसीबी ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में ड्रग्स की तस्करी से जुड़े मामले में 9 मार्च को नई दिल्ली से गिरफ्तार किया था।

सादिक के तीन अन्य सहयोगियों को फरवरी में गिरफ्तार किया गया था। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के पास इनपुट है कि वह प्रतिबंधित लिट्टे हाजी अली ग्रुप जैसे पाकिस्तान के ड्रग्स नेटवर्क के साथ जुड़कर फंड जुटाने की कोशिश कर रहा है।

## द्रमुक ने कच्चातिवु पर टिप्पणी को लेकर मोदी की आलोचना की

### कांग्रेस ने 'चीनी घुसपैठ' पर जवाब मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) और इसके सहयोगी दल कांग्रेस ने कच्चातिवु द्वीप 'संवेदनहीन' ढंग से श्रीलंका को दे दिये जाने संबंधी टिप्पणी को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ दल द्रमुक ने यह भी कहा कि उसने इस द्वीप को 1974 में पड़ोसी देश को दिये जाने का विरोध किया था। वहीं, कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई ने मोदी पर निशाना साधते हुए भारतीय क्षेत्र में ''चीन की घुसपैठ'' पर जवाब मांगा।

मोदी के आरोपों पर जवाब देते हुए द्रमुक के संगठन सचिव आर एस भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री के पास दिखाने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है और वह (मोदी) केवल ''झूठ'' फैला रहे हैं। भारती ने कहा कि इतिहास का अध्ययन किये बिना किसी मुद्दे पर बात करना गलत है। उन्होंने कहा कि 1974 में द्रमुक ने कच्चातिवु श्रीलंका को दिये जाने के विरोध में राज्यव्यापी आंदोलन और जनसभाएं की थीं। उन्होंने कहा कि द्रमुक के रुख को पार्टी के दिवंगत संस्थापक एम करुणानिधि और पार्टी प्रमुख एम. के. स्टालिन ने कई बार स्पष्ट रूप से जाहिर किया है। राज्यसभा के पूर्व सदस्य भारती ने कहा, आप किसी सोये हुए व्यक्ति को जगा सकते हैं लेकिन उस व्यक्ति को नहीं, जो सोये होने का दिखावा कर रहा हो।

भारती ने कहा कि यदि मोदी कच्चातिवु को लेकर सचमुच में इच्छुक हैं तो वह अपने 10 साल के शासन के दौरान फिर से इस पर दावा कर सकते थे। उन्होंने पूछा, उन्होंने कच्चातिवु मुद्दे को क्यों नहीं उठाया?

तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी प्रमुख के. सेल्वापरुंतागई ने कच्चातिवु मुद्दा उठाने को लेकर मोदी की आलोचना की। कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानना चाहा कि, प्रधानमंत्री मोदी भारतीय क्षेत्र में चीनी घुसपैठ, संसद की सुरक्षा में चूक, 44 सैनिकों की जान लेने वाले पुलवामा आतंकी हमले, मणिपुर में स्थिति और राफेल लड़ाकू विमान सौदे से जुड़ी गायब (चोरी हुए) दस्तावेजों पर कब बात करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया में आयी एक खबर के हवाले से रविवार को कहा कि नए तथ्यों से पता चलता है कि कांग्रेस ने कच्चातिवु द्वीप ''संवेदनहीन'' ढंग से श्रीलंका को दे दिया था। उन्होंने 'एक्स' पर एक खबर साझा करते हुए कहा, आंखें खोलने वाली और चौंका देने वाली खबर्। नए तथ्यों से पता चलता है कि कांग्रेस ने कैसे संवेदनहीन ढंग से कच्चातिवु दे दिया था। इससे प्रत्येक भारतीय नाराज है और लोगों के मन में यह बात बैठ गयी है कि हम कभी कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर सकते।

## कच्चातिवु : सीतारमण ने द्रमुक से 'झूठ' फैलाना बंद करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को कच्चातिवु मुद्दे पर ''गलत जानकारी'' देना बंद करना चाहिए। सीतारमण ने कच्चातिवु मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई द्वारा सरकारी अधिकारियों से प्राप्त एक आरटीआई जवाब का जिक्र करते हुए 'एक्स' पर कहा, आरटीआई जवाब से जो खुलासा हुआ है, ऐसा पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता अम्मा ने तमिलनाडु राज्य विधानसभा में आधिकारिक तौर पर कहा था।

अन्नामलाई ने 'एक्स' पर कहा कि एक प्रमुख अंग्रेजी दैनिक ने रविवार को सूचना का अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर एक खबर प्रकाशित की। अन्नामलाई ने आरोप लगाया, ''कांग्रेस और द्रमुक ने श्रीलंका को कच्चातिवु सौंपने के लिए सांठगांठ की। कांग्रेस जब भी सत्ता में रही, उसे हमारे देश की सीमा, क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने में सबसे कम दिलचस्पी थी।''

सीतारमण ने एक वीडियो क्लिप टैग किया जिसे 'एक्स' पर पोस्ट किया गया था। वीडियो में दिवंगत जयललिता द्वारा वर्षों पहले विधानसभा में द्रमुक विधायक के पोनमुडी के सवाल पर दिया गया जवाब दिखाया गया है। जयललिता ने विधानसभा में (2011-16 के दौरान) कहा था कि द्रमुक सदस्यों के पास कच्चातिवु पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा था कि द्रमुक सरकार में जब एम करुणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थे, तब केंद्र सरकार द्वारा कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया गया था।

उन्होंने पूछा था, ''करुणानिधि क्या कर रहे थे जब केंद्र ने 1974 और 1976 में द्वीप को श्रीलंका को सौंपने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए थे?'' जयललिता ने इस बात की भी जानकारी मांगी थी कि क्या करुणानिधि ने उस समय केंद्र के फैसले को रोकने के लिए कदम उठाए थे या उन्होंने इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था?

जयललिता ने द्रमुक विधायक पोनमुडी के सवाल का जवाब दिया था। पोनमुडी ने कहा था कि जयललिता ने 1991 में कहा था या नहीं कि वह कच्चातिवु को वापस ले आएंगी। उस समय, जयललिता ने अपनी टिप्पणी को याद करते हुए कहा था कि वह केंद्र सरकार के माध्यम से इस मामले पर कदम उठाएंगी।

उन्होंने 1991 में यह नहीं कहा था कि वह सैनिकों को सक्रिय करके कच्चातीवू को पुनः प्राप्त कर लेंगी। उन्होंने आरोप लगाया था कि यह द्रमुक है जो मछुआरों की परेशानियों के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है।

## मदुरै में प्रवासियों के साथ भाजपा प्रत्याशी की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। रविवार को कामराज रोड़ स्थित रादेसा महल के कान्फ्रेंस हॉल में भाजपा नेशल लैंग्वेएज इकाई द्वारा प्रवासियों की अहम बैठक हुई। इसमें मदुरै से भाजपा के उम्मीदवार श्रीरामा श्रीनिवासन ने भाग लिया। उन्होंने तीसरी बार मोदी सरकार के लिए अपने समर्थन में प्रवासियों से वोट मांगे।

इस कार्यक्रम में नेशनल लैंग्वेज सेल तमिलनाडु के प्रदेश सचिव व राजस्थान भाजपा के प्रवासी प्रकोष्ठ के गणपतलाल राजपुरोहित ने प्रोफेसर श्रीरामा श्रीनिवासन व मदुरै भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महासुशीन्द्र, भाजपा पूर्व अध्यक्ष के. श्रीनिवासन सहित भाजपा कार्यकताओं का शॉल ओढाकर द्वारा सम्मान किया। इस मौके पर मदुरै राजस्थानी विभिन्न समाज के गणमान्य पदाधिकारीगण सहित नेशनल लैंग्वेज सेल के मदुरै के अध्यक्ष के. अशोक प्रजापत सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## तमिलनाडु में ईस्टर उत्साह के साथ मनाया गया

चेन्नई। तमिलनाडु में ईसाइयों ने रविवार को सूली पर चढ़ाए जाने के बाद ईसा मसीह के पुनरुत्थान के प्रतीक ईस्टर का जश्न पारंपरिक तरीके और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। राज्य भर के सभी चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं और सेवाएं आयोजित की गईं। महिलाओं और बच्चों सहित हजारों श्रद्धालु आधी रात की विशेष प्रार्थना में शामिल होने के लिए चर्चों में पहुंचे और इस अवसर को चिह्नित करने के लिए मोमबत्तियां जलाईं। इस अवसर पर चर्चों को आकर्षक ढंग से सजाया गया और रोशन किया गया। पुनरुत्थान को चिह्नित करने वाले जुलूस भी चर्चों में आयोजित किए गए।

## दो किशोरियों समेत चार महिलाओं की झील में डूबने से मौत

**चेन्नई।** तमिलनाडु के वेल्लोर के गुडियाथम शहर के पास वेप्पुर गांव में शनिवार शाम को एक दुखद घटना में एक झील में डूब कर दो किशोरियों समेत चार महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जब यह हादसा हुआ तो मृतक झील में नहाने गये थे। मृतकों की पहचान एस.सरोजा (45) और उनकी स्नातक बेटी एस.ललिता (22) तथा वाई. काव्या (18) और उसकी छोटी बहन वाई. प्रीति (17) के रूप में की गई। काव्या और प्रीति अपनी मां वाई लावण्या (45) के साथ वेप्पुर गाव के मुनिश्वरन मंदिर में दर्शन के लिए गई थीं।

## परिसर की दीवार ढहने से तीन मजदूरों की मौत

**पुडुचेरी।** पुडुचेरी के नजदीक एक गांव में रविवार को नहर से गाद निकाल रहे तीन मजदूरों की नहर से सटे एक परिसर की दीवार ढहने से उसकी चपेट में आकर मौत हो गई। घटना में घायल पांच अन्य श्रमिकों को अस्पताल ले जाया गया है। उपराज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि थेंगाईथिट्टू गांव में हुई घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने तीन श्रमिकों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, सभी सुरक्षा उपायों की योजना बनाई जानी चाहिए और उन्हें लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वह अस्पताल में भर्ती सभी घायल श्रमिकों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

**सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-600 038**

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा ।

खुली निविदा सं. 2024499211376

400 LWACCN कोच हेतु इंटीरियर फर्निशिंग (मैकेनिकल) के लिए कार्य जैसे फ्लोरिंग, पार्टीशन, पैनलिंग, गैर-एसी क्षेत्र की सीलींग, प्लंबिंग और आंतरिक फिटिंग और नोटिस का इंस्टालेशन हेतु कार्य अनुबंध

निविदा बंद होने की तारीख: **24.04.2024 को 14.45 बजे**
खूलने की तारीख: **24.04.2024 को 15.00 बजे**

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर / फर.III

**सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-600 038**

निविदा सूचना सं. 2024235211288 दिनांक 25.03.2024

निम्नलिखित ई-निविदाएँ आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट में प्रकाशित हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** में लागइन करके अपना कोटेशन जमा करें। मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

| क्रम सं | खुली निविदा सं. | मद का संक्षिप्त विवरण | निविदा का मूल्य (रुपए में) |
|---|---|---|---|
| 1 | 2024235211288 | सवारी डिब्बा कारखाना के फर्निशिंग डिवीजन में कोच सामग्रियों को भंडार/वार्ड से निर्धारित स्थान तक ले जाने के लिए मेटीरियल हैंडलिंग स्टाफ और 3 टन व 5 टन फोर्क लिफ्ट को भोड़े पर लेना । | 97,33,171/- |
| 2 | 2024235211345 | सवारी डिब्बा कारखाना के फर्निशिंग डिवीजन में एलएचबी नॉन-एसी कोचों में कंप्लीट वायरिंग वर्क, जिसमें उपकरणों की हैंडलिंग और इन्सटलेशन करने का काम भी शामिल है। | 2,61,10,581/- |

निविदा जमा करने की अंतिम तारीख/निविदा खोलने की तारीख व समय: क्रम सं 1 & 2: 16/04/2024 15:00 बजे

उप मुख्य बिजली इंजीनियर -फर.II

# अमित शाह ने राजस्थान में भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रचार का किया आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव प्रचार का जयपुर से आगाज किया और इस दौरान उन्होने आठ लोकसभा क्षेत्रों के कलस्टर प्रभारियों की बैठक ली और चुनावी प्रबंधन के साथ चुनाव रणनीति पर मंथन किया।

इस दौरान कलस्टर कोर कमेटी की संयुक्त बैठक में कमेटी के सदस्यों को केंद्रीय नेताओं के प्रवास चुनाव के दौरान प्रचार-प्रसार संबंधी सभी विषयों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान श्री शाह ने प्रदेश की सभी 25 सीटों पर पार्टी की जीत की हैट्रिक लगाने के लिए काम के बंटवारे और आगामी रणनीति पर कोर कमेटी सदस्यों से सवाल किये साथ ही कमेटी सदस्यों से इस संबंध में सुझाव भी लिये।

उन्होंने कहा कि भाजपा 370 और एनडीए 400 पार के नारे में हम सब नेताओं की सहभागिता तय करनी होगी। बैठक में पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता और पन्ना प्रमुख को जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्होंने बैठक में कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में 15 प्रतिशत ज्यादा मार्जिन से जीतने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए बूथ प्रबंधन मजबूत करना होगा साथ ही शक्ति केंद्र प्रभारियों और पन्ना प्रमुख से लेकर हर कार्यकर्ता की चुनाव में भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। कार्यकर्ताओं को सहजता से सहयोग कर पार्टी को मजबूत करने के लिए दिशा निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश चुनाव प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं प्रेमचंद बैरवा, वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड, कोर कमेटी के पदाधिकारी, कलस्टर प्रभारियों सहित संबंधित लोकसभा क्षेत्रों से विधायक और अन्य नेता मौजूद थे।

## कांग्रेस ने कई नेताओं को पार्टी में वापस लिया

जयपुर। कांग्रेस ने पूर्व मंत्री वीरेंद्र बेनीवाल सहित कई नेताओं की सदस्यता बहाल करते हुए शनिवार को उन्हें पार्टी में वापस ले लिया। पार्टी के प्रवक्ता ने बताया कि भरतपुर जिले के कामां विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़े मुख्यतार अहमद, लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़े पूर्व मंत्री धीरेन्द्र बेनीवाल तथा सादुलशहर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी रहे ओम बिश्नोई व पूर्व जिला प्रमुख मंजू मेघवाल की सदस्यता बहाल की गई है।

पार्टी के यहां 'वार रूम' में राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा तथा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह ने इन नेताओं का स्वागत किया। इस अवसर पर कई अन्य नेता भी पार्टी में शामिल हुए। डोटासरा ने आशा व्यक्त की है कि ये नेता पार्टी की मजबूती के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य करेंगे तथा इनके पार्टी में शामिल होने से लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को लाभ मिलेगा।

## पूर्व विधायक बाहेती, वाजिद खान का निष्कासन रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देश पर लोकसभा चुनावों को देखते हुये अजमेर जिले में पुष्कर के पूर्व विधायक डॉ श्रीगोपाल बाहेती तथा विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़े मसूदा के वाजिद खान चीता का कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासन रद्द कर दिया गया है। इस आशय के कार्यालय आदेश प्रदेश संगठन महासचिव ललित तूनवाल ने रविवार को जारी किये।

इससे पहले श्री डोटासरा की मौजूदगी में जयपुर में वाजिद खान चीता की घर वापसी करायी गयी। इस दौरान पूर्व मंत्री डॉ रघु शर्मा, आरटीडीसी के पूर्व चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़, अजमेर डेयरी के चेयरमैन एवं लोकसभा उम्मीदवार रामचंद्र चौधरी, अजमेर देहात कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह राठौड़ भी मौजूद रहे। श्री डोटासरा ने इससे संगठन मजबूत होने तथा कांग्रेस उम्मीदवार रामचंद्र चौधरी को मजबूती मिलने की बात कही।

## हार के डर से कांग्रेस के बड़े नेता चुनाव लड़ना नहीं चाहते : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर सीट से लोकसभा प्रत्याशी भूपेंद्र यादव ने कहा है कि कांग्रेस डूबता हुआ जहाज है। पूरी पार्टी में निराशा है और चुनाव हारने के डर से कोई भी कांग्रेस नेता लोकसभा चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है। केन्द्रीय मंत्री यादव ने रविवार को यहां पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 400 सीट जीतकर आयेगी और देश आगे बढ़ता चला जायेगा। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत का नाम है तो सिर्फ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम पर। पिछले 70 सालों में जो काम कांग्रेस नहीं कर पाई, वे 10 साल में मोदी के नेतृत्व में हुये हैं।

यादव ने कहा कि अलवर जिले का नाम पहले भी आगे रहा है और आने वाले दिनों में यहां की जनता उन्हें जिताकर संसद भेजेगी तो विकास की गंगा बहाना उनका काम होगा। सबसे पहले नहर परियोजना से जोड़ना, अलवर जिला चारों और से एक्सप्रेस से जुड़ गया है। अलवर नयी ऊंचाई छू रहा है। आने वाले दिनों में हम सब मिलकर अलवर का विकास करेंगे। इस अवसर पर बहरोड़ विधायक डॉक्टर जसवंत सिंह यादव ने कहा कि सब को मिलकर यादव को जिताना है जिससे बहरोड़ का विकास जो रुका हुआ है उसे पूरा करना उनका काम है।

## भाजपा की डबल इंजन की सरकार, राजस्थान की सभी 25 सीटों को जीत कर नया कीर्तिमान रचेगी : मुकेश दाधीच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कोटा संभाग के संगठन प्रभारी मुकेश दाधीच ने पत्रकार वार्ता संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटों को भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार जीतेगी, राजस्थान भाजपा जीत के नये कीर्तिमान के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन 400 प्लस को सफल बनाएंगे। इस अवसर पर मंचस्थ भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश जैन, भाजपा प्रदेश मंत्री अनुसूईया गोस्वामी, पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्णकुमार सोनी,कोटा बूँदी लोकसभा संयोजक सुनीता व्यास,कोटा संभाग मीडिया संयोजक अरविन्द सिसोदिया एवं लोकसभा मीडिया संयोजक रितेश चित्तोडा रहे।

पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कोटा संभाग के संगठन प्रभारी मुकेश दाधीच ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के 10 वर्षों, कोटा बूँदी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला एवं राजस्थान की भजनलाल सरकार के 100 दिनों की उपलब्धियों व कल्याणकारी कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए दावा किया है कि भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला नये कीर्तिमानों के साथ विजय प्राप्त कर इतिहास रचेंगे।

दाधीच ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने पिछले 10 वर्षों में पूरे विश्व में भारत का मान सम्मान स्वाभिमान बड़ाया है वहीं तकनीकी ज्ञान और उत्पादन क्षमता का लोहा भी मनवा लिया है। मोदीजी के नेतृत्व में सड़क निर्माण, बिजली उत्पादन व घर घर बिजली कनेक्शन, गरीबों के आवास निर्माण, स्वास्थ्य सेवा, उज्ज्वला योजना से रसोई गैस, शौचालय निर्माण, जनधन खातों को खोलना आदि पर आंकड़ों से प्रकाश डालते हुए बताया कि देश में आधारभूत संरचना, गरीब कल्याण, सांस्कृतिक उत्थान और राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में बहुअयामी और अभूतपूर्व कीर्तिमान युक्त कार्य हुए हैं। उन्होंने रामजन्म भूमी मंदिर निर्माण, वाराणसी और महाकाल कारिडोर सहित सांस्कृतिक गौरव से जुड़े स्थलों को भव्यता पूर्ण पुर्ननिर्माणों को सासंकृतिक उत्थान बताया। कोटा संभाग प्रभारी दाधीच ने बताया कि भाजपा ने ग्रास रूट लेबील पर प्रत्येक बूथ पर 370 वोट प्लस के लिए कार्ययोजना पर कार्यकर्ताओं को जुट जानें का आव्हान किया है, भाजपा सभी लोकसभा सीटों को 5 लाख प्लस से जीतेगी और मोदी के मिशन 400 प्लस को पूरा करने में शतप्रतिशत योगदान देगी।

## भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने चुनावी कार्यालयों का उद्घाटन किया, बोलीं-जयपुर का विकास भाजपा सरकारों की ही देन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर लोकसभा क्षेत्र की प्रत्याशी मंजू शर्मा के बगरू, सिविल लाइंस, मालवीय नगर, आदर्श नगर, विद्याधर नगर, किशनपोल व हवामहल विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव कार्यालयों का शुभारंभ रविवार को किया गया। इस मौके पर आयोजित जनसभाओं को भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भी संबोधित किया। किशनपोल विधानसभा क्षेत्र के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करते हुए भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने कहा कि जयपुर का विकास सिर्फ भाजपा की देन है, कांग्रेस ने कभी भी जयपुर के विकास पर ध्यान नहीं दिया। भाजपा के शासन में ही पहली बार जयपुर में सोडियम लाईटे, सड़को का नवीनीकरण, शहर में सीमेंट कंक्रीट की सड़को का निर्माण और जयपुर शहर को पर्यटन के रूप में विकसित करने का काम हुआ है।

बगरू विधानसभा क्षेत्र में कार्यालय के शुभारंभ पर मंजू शर्मा ने कहा कि पूर्व सीएम वसुंधरा राजे जी की सरकार के समय बीसलपुर का पानी यहां पहुंचाने का कार्य किया हुआ है। इतना ही नहीं जयपुर के सुनियोजित विकास की संरचना भी भाजपा की सरकार ने ही की है। आदर्श नगर में उन्होंने भाजपा शासन में ही शहर के चारों तरफ रिंग रोड बनाने और सौन्दर्यकरण के लिए द्रव्यवती नदी का कार्य किया गया। सिविल लाइंस में उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि कांग्रेस की सरकार बनी जिसने द्रव्यवती नदी का काम रोकने का महापाप किया। उन्होंने आमजन से कांग्रेस के दुर्भावनापूर्ण निर्णय का हिसाब चुकाने का आह्वान भी किया।

वहीं चुनाव कार्यालयों के उद्घाटन मौके पर सांसद रामचरण बोहरा अपने 10 वर्षों में किये गये कार्यों। का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया। बोहरा ने कहा कि पिछले 10 वर्षो में जयपुर शहर को नेशनल हाईवे से जोडने का काम जयपुर शहर के आसपास छोटे-बडे रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य का काम जयपुर रेलवे स्टेशन को विश्व स्तरीय बनाने का कार्य किया है।

किशनपोल विधानसभा क्षेत्र का चुनाव कार्यालय चौडा रास्ता के सोखिया भवन में शुरू हुआ है। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा, सांसद रामचरण बोहरा, किशनपोल विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहे चन्द्र मनोहर बटवाडा, लोकसभा चुनाव के सहप्रभारी सतीश चन्देल, पूर्व महापोर ज्योति खण्डेलवाल, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत पारीक, शहर महामंत्री अरूण खटोड, पूर्व शहर महामंत्री नरेश शर्मा, पूर्व शहर उपाध्यक्ष राधाकृष्ण परवाल, सहित सैंकडों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिविल लाईन्स विधानसभा क्षेत्र के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन जनपथ श्याम नगर में हुआ। इस अवसर पर लोकसभा प्रत्याशी मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, लोकसभा सहप्रभारी सतीश चन्देल तथा पूर्व विधायक अरूण चतुर्वेदी सहित सैंकडों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा लोकसभा प्रत्याशी मंजू शर्मा का चुनाव प्रचार के दौरान रविवार को एक दर्जन से अधिक स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान लोगों ने कई स्थानों पर उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया वहीं दो स्थानों पर उनको फलों से तोला गया।

मंजू शर्मा ने दिन की शुरूआत सेन्ट्रल पार्क में आमजन के साथ योग कर की। इस दौरान पूर्व मंत्री कालीचरण सराफ, सांसद रामचरण बोहरा भी उनके साथ रहे। सेन्ट्रल पार्क में उन्होंने आत्मीयता से लोगों से मुलाकात की और लोगों ने उनके साथ सेल्फी भी ली।

**अपील**

नागौर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती ज्योति मिर्धा ने रविवार को जायल की ग्राम पंचायत कमेडिया, आकोड़ा और सुरपालिया में आयोजित चुनावी जनसंपर्क सभा को संबोधित कर जनता से आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने की अपील की।

## नुक्कड़ नाटक, लोक गायन, कठपुतली शो, जादूगर और बहरूपियां कला के माध्यम से होगी भाजपा के पक्ष में मतदात की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा के सांस्कृतिक एवं पर्यटन प्रकोष्ठ की ओर से लोकसभा चुनाव 2024 के लिए नुक्कड़ नाटक, लोक गायन, कठपुतली, जादूगर और बहरूपियां विधाओं के कलाकारों के चयन के लिए प्रदेश कार्यालय में आज

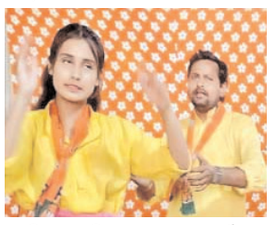

आडिशन लिए गए। इस दौरान देशभर से 100 से अधिक समूह ने अपना आडिशन भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के समक्ष दिया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय संगठक वी.सतीश, चुनाव सह-प्रभारी प्रवेश वर्मा, प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मनीष पारीक, सह-संयोजक डॉ चन्द्रदीप हाडा, सह-संयोजिका शालिनी शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मदन प्रजापत, भूषण शर्मा, मूर्तिकार महावीर भारती, निर्मला कुलहारी, संगीत नाटक अकादमी जोधपुर के पूर्व अध्यक्ष अशोक पाण्ड्या, प्रचार-प्रसार प्रमुख निर्मल शर्मा, चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्य सुभाष कश्यप ने इन कलाकारों का आडिशन लिया। इस दौरान पार्टी के कार्यकर्ता संजय व्यास, प्रकाश चंद्र सैनी, शुभम मीणा, कृष्णकांत शर्मा ने व्यवस्था संभाली।

प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक डॉ चन्द्रदीप हाडा ने बताया कि आडिशन के बाद बेहतर टीमों को 25 लोकसभाओं में सांस्कृतिक प्रचार के लिए भेजा जाएगा। यह दल प्रदेश की जनता के सामने केंद्र की योजनाओं के साथ भजनलाल सरकार द्वारा 100 दिनों में किए गए जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार करेंगे। इस दौरान कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करके भाजपा के पक्ष में वोट करने और राजस्थान से तीसरी बार 25 की 25 सीटों पर कमल खिलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिताने की अपील करेंगे। लोकसभा चुनावों के प्रचार के समय प्रत्येक लोकसभा में इन 5 विधाओं के दलों को भेजा जाएगा। जो भाजपा पार्टी के पक्ष में प्रत्याशी का प्रचारप्रसार करेंगे और भारी मतों से जिताने में अहम भूमिका निभाएंगे।

## भाजपा ने भीलवाड़ा से दामोदर अग्रवाल को चुनाव मैदान में उतारा

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान की भीलवाड़ा लोकसभा सीट से दामोदर अग्रवाल को रविवार को अपना उम्मीदवार घोषित किया। अग्रवाल भाजपा की प्रदेश इकाई के महासचिव हैं। इसी के साथ भाजपा ने राजस्थान की सभी 25 सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान भारी मतों के अंतर से चुनाव जीतने का भरोसा जताया। मुझे खुशी है कि पार्टी ने मुझे उम्मीदवार बनाया है। भीलवाड़ा, जो मेरा गृहनगर है, वहां मुकाबला दिलचस्प होगा। मैं वर्षों से आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेक संघ) कार्यकर्ता, भाजपा कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहा हूं। कांग्रेस ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सी पी जोशी को भीलवाड़ा सीट से टिकट दिया है। राजस्थान में लोकसभा चुनाव दो चरण में 19 और 26 अप्रैल को होंगे। भीलवाड़ा उन 13 सीट में से एक है जहां 26 अप्रैल को दूसरे चरण में चुनाव होंगे। पहले चरण में 19 अप्रैल को 12 सीट गंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर में मतदान होगा।

## पिछले दो चुनाव के जीत-हार के अंतर को पाटने की रणनीति में जुटी कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान लोकसभा चुनाव में 2014 और 2019 में खाता नहीं खोल पाई कांग्रेस इस बार दो चुनावों के आंकड़ों के अध्ययन के आधार पर अपनी रणनीति बनाने में लगी हुई है। सभी सीटों पर जीत-हार के अंतर को पाटने के लिए इस बार जातीय और क्षेत्रीय समीकरण बनाकर चुनावी रणनीति तय की जा रही है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई वरिष्ठ नेता सभी सीटों पर जीत के मिशन में जान फूंकने की कोशिश कर रहे हैं।

वर्ष 2019 में करौली-धौलपुर और दौसा सीट को छोड़कर बाकी सभी सीटों पर हार-जीत का अंतर एक लाख से ज्यादा रहा था। भीलवाड़ा में जीत का अंतर छह लाख था। पिछले दो चुनाव में भाजपा को 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले तो कांग्रेस का वोट प्रतिशत 34 प्रतिशत के आसपास रहा था। दो लोकसभा चुनाव के आंकड़ों का अध्ययन करते हुए कांग्रेस इस बार अपनी स्थिति को बेहतर करने की कोशिश में है। रणनीतिकार भी मानते हैं कि पिछले दो मुकाबलों की तुलना में इस बार चुनाव अलग हैं।

कांग्रेस के रणनीतिकारों का मानना है कि लोकसभा चुनाव 2019 में कांग्रेस की चुनावी स्थिति देशभर में ठीक थी, लेकिन पुलवामा घटना ने पूरी तस्वीर बदल दी थी। इस बार महंगाई, बेरोजगारी के साथ किसानों की समस्याएं बड़े मुद्दे हैं। राहुल गांधी, मोदी सरकार की नीतियों पर लगातार हमला बोल रहे हैं। जातिगत जनगणना, इलेक्ट्रोरल बॉन्ड, एमएसपी कानून जैसे राष्ट्रीय स्तर के मुद्दे हावी रहेंगे तो राजस्थान में राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों के अलावा प्रदेश स्तरीय मुद्दों पर चुनाव प्रचार होगा। हर लोकसभा में आठ विधानसभाएं हैं, इसलिए भजनलाल सरकार के महंगाई, बेरोजगारी, बिजली, पानी, सड़कों, ईआरसीपी आदि जैसे मुद्दों पर भी कांग्रेस हमला बोलेगी। दो बार से बड़ी चुनौती दे रही भाजपा की सभी सीटों पर रणनीति का भी कांग्रेस रणनीतिकार लगातार आंकलन कर रहे हैं। जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, झालावाड़-बारां, कोटा-बूंदी, जोधपुर, पाली आदि सीटों पर भाजपा लंबे समय से लगातार जीत रही है। ऐसी सीटों पर कांग्रेस नए सिरे से रणनीति बनाकर प्रचार करने में जुट रही है।

# आडवाणी का जीवन त्याग, तप और समर्पण से परिपूर्ण : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी जीवनपर्यंत देशहित के कार्यों और सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित रहे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शाह ने यह भी कहा कि आडवाणी का जीवन त्याग, दृढ़ता और समर्पण से भरा है और करोड़ों लोगों को शक्ति और प्रेरणा देने का अक्षय स्रोत है।

शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी होने पर हर्षित भी हूं और भावुक भी। माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा आदरणीय लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना हम सभी के लिए एक गौरवशाली पल है। उन्होंने कहा, आडवाणी जी निःस्वार्थ भाव से जीवनपर्यंत देशहित के कार्यों और सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित रहे। त्याग, तप और समर्पण से परिपूर्ण उनका जीवन करोड़ों लोगों को शक्ति और प्रेरणा देने का अक्षय स्रोत है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने आडवाणी को यहां उनके आवास पर जा कर उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और आडवाणी के परिवार के सदस्य मौजूद रहे। सरकार ने इस साल पांच लोगों को भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की थी। इनमें से आडवाणी के अलावा पूर्व प्रधामंत्रियों पी वी नरसिंह राव तथा चौधरी चरणसिंह, कृषि वैज्ञानिक एम एस स्वामीनाथन और बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत यह सम्मान दिया गया।

### सुनीता केजरीवाल ने विपक्ष की रैली में कहा

# भारत माता पीड़ा में है, अत्याचार नहीं चलेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने रविवार को यहां 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन की 'लोकतंत्र बचाओ' रैली में अपने पति का प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत से जारी संदेश पढ़ते हुए कहा कि अत्याचार नहीं चलेगा और अरविंद केजरीवाल को लंबे समय तक सलाखों के पीछे नहीं रखा जा सकता।

सुनीता ने किसी राजनीतिक रैली में अपने पहले भाषण में, लोगों से यह भी सवाल किया कि क्या केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा, भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) मुख्यमंत्री केजरीवाल के इस्तीफे की मांग कर रही है। क्या उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। क्या उनकी गिरफ्तारी उचित है। वह एक शेर हैं। वे उन्हें लंबे समय तक सलाखों के पीछे नहीं रख पाएंगे।

सुनीता ने उनके पति को आशीर्वाद देने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, यह अत्याचार नहीं चलेगा। मेरे पति को बहुत आशीर्वाद मिल रहा है।

केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को दिल्ली की अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था। वह एक अप्रैल तक ईडी की हिरासत में हैं। केजरीवाल के संदेश में 'इंडिया' गठबंधन की ओर से छह गारंटी शामिल थीं – निर्बाध बिजली आपूर्ति, गरीबों के लिए मुफ्त बिजली, सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक और मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और दिल्ली के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा। उन्होंने कहा, दिल्ली के लोगों ने पिछले 75 वर्षों से अन्याय का सामना किया है। उनकी सरकार पंगू थी। यदि 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आता है तो हम दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाएंगे।

## चुनाव के कारण प्रधानमंत्री ने उठाया कच्चातिवु का मुद्दा : खरगे

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु को ध्यान में रखकर कच्चातिवु द्वीप का मुद्दा उठाया, जबकि उनकी सरकार की विदेश नीति की विफलता के कारण नेपाल, भूटान और मालदीव जैसे मित्रवत पड़ोसियों के कारण रिश्ते बिगड़ गए। प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया में आयी एक खबर के हवाले से रविवार को कहा कि नए तथ्यों से पता चलता है कि कांग्रेस ने कच्चातिवु द्वीप ''संवेदनहीन'' ढंग से श्रीलंका को दे दिया था। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, आप अपने कुशासन के 10वें वर्ष में क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर अचानक जाग गए हैं। शायद, चुनाव ही इसका कारण है। आपकी हताशा स्पष्ट है। उनके अनुसार, वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री मोदी ने बयान दिया था कि भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि सीमा समझौता दिलों का मिलन है तथा यह बयान 1974 में इंदिरा गांधी की पहल की सराहना करता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, आपकी सरकार के तहत, मैत्रीपूर्ण भाव से भारत से 111 एन्क्लेव बांग्लादेश को स्थानांतरित कर दिए गए, और 55 एन्क्लेव भारत में आ गए। 1974 में मैत्रीपूर्ण भाव पर आधारित एक समान समझौता एक अन्य देश श्रीलंका के साथ कच्चातिवु पर शुरू किया गया था।

# भाजपा को 200 सीट का आंकड़ा पार करने की चुनौती देती हूं : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कृष्णानगर (बंगाल)/भाषा।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट जीतने के लक्ष्य का मखौल उड़ाया तथा उसे 200 सीट का आंकड़ा पार करने की चुनौती दी।

ममता ने यह भी कहा कि वह नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को इस राज्य में लागू होने नहीं देंगी। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि सीएए के लिए आवेदन करने वाला व्यक्ति विदेशी बन जाएगा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने लोगों से इसके लिए आवेदन न करने का अनुरोध किया।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने कृष्णानगर इलाके में टीएमसी उम्मीदवार महुआ मोइत्रा के लिए चुनाव प्रचार करते हुए कहा, भाजपा कह रही है '400 पार, मैं उन्हें पहले 200 सीट का आंकड़ा पार करने की चुनौती देती हूं। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने 200 से अधिक सीट लाने का आह्वान किया था, लेकिन उसे महज 77 पर रुकना पड़ा। इन 77 सीटों पर जीतने वाले कुछ लोग हमारे साथ आ गए हैं।

भाजपा को 'जुमला' पार्टी बताते हुए टीएमसी सुप्रीमो ने उन पर सीएए के संबंध में ''झूठ फैलाने'' का आरोप लगाया और कहा, सीएए पर मोदी की गारंटी शून्य गारंटी है। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में लगी चोट के बाद पहली रैली को संबोधित करते हुए कहा, सीएए वैध नागरिकों को विदेशी बनाने का जाल है। एक बार आप सीएए लागू कर देंगे तो उसके बाद राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू होगा। हम पश्चिम बंगाल में न तो सीएए और न ही राष्ट्रीय नागरिक पंजी लागू होने देंगे। केंद्र सरकार के झूठे वादे के जाल में न फंसे। अगर आप आवेदन करेंगे तो आपको पांच साल के लिए विदेशी ठहरा दिया जाएगा।

सीएए के लागू होने से मटुआ समुदाय को सबसे अधिक फायदा मिलने की उम्मीद है। ममता ने इस समुदाय से उन पर विश्वास करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वह कभी ''किसी को भी आपकी नागरिकता छीनने'' नहीं देंगी। उन्होंने कहा, मतुआ लोग, कृपया मुझ पर भरोसा रखिए। मैं किसी को भी आपकी नागरिकता छीनने नहीं दूंगी।

# 'चाइनीज माल वाली गारंटी' है 'मोदी की गारंटी' : तेजस्वी यादव

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को केंद्र सरकार पर 'अघोषित आपातकाल' लागू करने का आरोप लगाया और दावा किया कि 'मोदी की गारंटी' 'चाइनीज माल' वाली गारंटी है जो सिर्फ चुनाव तक रहेगी। उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन की 'लोकतंत्र बचाओ महारैली' में 1990 के दशक की फिल्म 'साजन चले ससुराल' के गाने 'तुम तो धोखेबाज हो...' का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसा।

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा, तुम तो धोखेबाज हो, वादा करके भूल जाते हो, रोज-रोज मोदी जी ऐसा करोगे, जनता रूठ जाएगी तो हाथ मलोगे...।

तेजस्वी यादव ने कहा, रैली में जुटी भीड़ से पता चलता है कि मोदी जी जिस तरह से आंधी की तरह आए थे, उसी तरह तूफान की तरह चले जाएंगे...हम जहां जा रहे हैं, जनता का साथ मिल रहा है...हम लोकतंत्र, संविधान और भाईचारे को बचाने के लिए एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा, देश को बांटा जा रहा है, भाई को भाई से लड़ाया जा रहा है। इसलिए हम आपकी लड़ाई लड़ रहे हैं।

यादव ने कहा, लोग 400 पार का नारा लगाते हैं, वे कुछ भी बोल सकते हैं। लेकिन जनता मालिक है और जनता को तय करना है कि कौन शासन करेगा। उन्होंने दावा किया कि '400 पार' का नारा ऐसे लगाया जा रहा है कि जैसे ईवीएम में पहले ही 'सेटिंग' हो चुकी है।

राजद नेता ने आरोप लगाया, देश में अघोषित आपातकाल लागू हो चुका है। सत्ता में बैठे लोग तानाशाहीपूर्ण रवैया अपना रहे हैं, घमंडी हो गए हैं...देश में सबसे बड़ी दुश्मन बेरोजगारी और महंगाई है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, मोदी जी प्रियंका चोपड़ा से मिलेंगे, किसानों से नहीं मिलेंगे। मोदी जी अब बिल गेट्स को बुलाकर साक्षात्कार दे रहे हैं।

यादव ने कहा, हम लोग डरने वाले नहीं हैं। पिंजरे में शेर को कैद किया जाता है...कंस के राज में जब तकलीफ होती थी तो लोगों को जेल में डाल दिया जाता था। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, ये लोग यूरिया को चीनी बना देते हैं, गोबर को हलवा बना देते हैं और आंख फोड़कर चश्मा देते हैं।

तेजस्वी यादव ने दावा किया, मोदी जी की गारंटी 'चाइनीज माल' वाली गारंटी है। जब तक चुनाव है तभी तक यह गारंटी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग 'नागपुरिया कानून' और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एजेंडे को लागू करना चाहते हैं।

### जगन्नाथ मंदिर में

## पुलिस पर हमला करने के आरोप में ब्रिटिश नागरिक को हिरासत में लिया गया

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा पुलिस ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करने और मंदिर के अंदर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला करने के आरोप में एक ब्रिटिश नागरिक को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार विदेशी पर्यटक की पहचान दक्षिण लंदन के वंड्सवर्थ के थॉमस क्रेग शेल्डन के रूप में हुई, जिसने शनिवार को जगन्नाथ मंदिर में अनाधिकृत रूप से प्रवेश किया था। उन्होंने बताया कि जब पुलिसकर्मियों ने उसे रोका और मंदिर परिसर से बाहर जाने को कहा, तो थॉमस ने कथित तौर पर उनपर हमला कर दिया। जगन्नाथ मंदिर में गैर-हिंदुओं को प्रवेश की अनुमति नहीं है। पुरी के पुलिस उपाधीक्षक प्रशांत कुमार साहू ने कहा, हमने विदेशी पर्यटक को हिरासत में ले लिया है और जांच जारी है।

# एक व्यक्ति और एक पार्टी की सरकार देश के लिए खतरनाक : ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को दावा किया कि देश तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है तथा 'एक व्यक्ति और एक पार्टी की सरकार' भारत के लिए खतरनाक है। उन्होंने यहां रामलीला मैदान में 'इंडिया' गठबंधन की 'लोकतंत्र बचाओ महारैली' में लोगों का आह्वान किया कि वे लोकसभा चुनाव में भाजपा को पराजित करें और 'अबकी बार, भाजपा तड़ीपार' का नारा दें।

इस रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के प्रमुख शरद पवार, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, नेशनल कांफ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला शामिल थे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ दिन पहले आशंका जताई जा रही थी कि देश तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है। अब यह सच्चाई बन गई है। उन्होंने कहा कि ''एक व्यक्ति और एक पार्टी की सरकार'' देश के लिए खतरनाक है।

ठाकरे ने लोगों का आह्वान किया, अब हमें मिलीजुली सरकार लानी होगी।

उनका कहना था, सभी प्रांतों का सम्मान करने वाली सरकार बनाने से ही देश बच सकता है।

ठाकरे ने कहा, हम चुनाव के लिए एकत्र नहीं है, हम लोकतंत्र बचाने के लिए आए हैं।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख ने कहा, जो सरकार किसानों को आतंकवादी मानती है उसे सत्ता में आने से रोकना होगा। जैसे किसानों को दिल्ली आने से रोका गया उसी तरह भाजपा को भी दिल्ली (सत्ता में) आने से रोकना होगा।

# असम के छह पारंपरिक शिल्पों को मिला जीआई टैग : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गुवाहाटी/भाषा।** बिहू ढोल, जापी और सार्थेबारी घंटी धातु शिल्प सहित असम के छह पारंपरिक उत्पादों और शिल्पों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग दिए गए हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को यह जानकारी दी। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि इन उत्पादों से करीब एक लाख लोगों की जीविका जुड़ी हुई है।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), आरओ गुवाहाटी के समर्थन से और पद्म श्री डॉ. रजनी कांत, जीआई विशेषज्ञ की सहायता से पारंपरिक शिल्पों को छह प्रतिष्ठित जीआई टैग प्रदान किए गए हैं। इसमें असम बिहू ढोल, जापी, सार्थेबारी धातु शिल्प और कुछ प्रतिष्ठित उत्पाद शामिल हैं। इतिहास में गहरी जड़ें जमा चुके ये उत्पाद लगभग एक लाख लोगों को सीधे जीविका प्रदान करते हैं।

इन उत्पादों हेतु जीआई टैग के लिए आवेदन 2022 के उत्तरार्ध में दायर किए गए थे और इनके प्रमाणन की पुष्टि शनिवार को की गई थी। प्रमाणित उत्पादों में असम जापी (एक पारंपरिक बांस टोपी) और असम बिहू ढोल (बिहू के दौरान बजाया जाने वाला पारंपरिक ढोल) शामिल हैं।

असम अशरिकांडी टेराकोटा शिल्प, असम पानी मटेका शिल्प, सार्थेबारी धातु शिल्प और असम मिसिंग हथकरघा उत्पाद कुछ अन्य उत्पाद हैं जिन्हें जीआई टैग प्रदान किया गया है।

# भाजपा ब्रह्मांड की सबसे झूठी पार्टी : अखिलेश यादव

**नई दिल्ली/भाषा।** समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'ब्रह्मांड की सबसे झूठी पार्टी' करार देते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पूरी दुनिया में भाजपा की 'थू-थू' हो रही है। उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन की 'लोकतंत्र बचाओ महारैली' में यह सवाल भी किया कि अगर भाजपा को '400 पार' में इतना ही भरोसा है, तो वह इतनी घबराहट में क्यों नजर आ रही है?

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारियों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि पूरी दुनिया में भाजपा की 'थू-थू' हो रही है।

यादव ने आरोप लगाया, भाजपा कहती है कि वह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। लेकिन सच्चाई यह है कि वह ब्रह्मांड की सबसे झूठी पार्टी है। उन्होंने कहा, अगर ये (भाजपा) जांच एजेंसियों को आगे कर रहे हैं, तो 400 पार नहीं, 400 (सीट) हारने जा रहे हैं।

यादव ने कहा, अगर देश बचाना है, तो यह वोट से बचेगा। वोट से ही संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण बचेगा।

## पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी की हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

**जमशेदपुर/भाषा।** झारखंड के हजारीबाग जिले से जमशेदपुर के एक पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी की हत्या करने के आरोप में एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यहां की एक पुलिस टीम ने अपने हजारीबाग पुलिस के सहयोग से 20 दिनों से लापता प्रशांत कुमार सिन्हा का क्षत-विक्षत शव बरामद किया। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने कहा कि आरोपी काजल सुमन (28) और उसके मित्र रौनक कुमार (19) को पुलिस टीम ने शनिवार को हजारीबाग के चड़वा पुल के नीचे से प्लास्टिक की बोरी में बंद सिन्हा का शव बरामद करने के बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी हजारीबाग के लोहसिंघना इलाके के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि हत्या के पीछे सिन्हा और काजल के बीच पैसों को लेकर विवाद माना जा रहा है। काजल ने रौनक के साथ मिलकर साजिश रची और कुछ दिन पहले हजारीबाग के हासमियां मोहल्ले में रौनक के गौशाला में सिन्हा की गला दबाकर हत्या कर दी। सिन्हा के परिजनों ने 22 मार्च को यहां बिरसानगर थाने में सिन्हा के लापता होने की प्राथमिकी दर्ज करायी थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ की मदद से जुटाए गए सबूतों के साथ-साथ जांच टीम को मिली गोपनीय जानकारी के आधार पर काजल और रौनक को गिरफ्तार किया गया।

### हॉकी टीम के मुख्य कोच फुल्टोन ने कहा

# भारत में मुझे अभी तक कोई समस्या नहीं हुई

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन की पूर्व सहयोगी यानेक शॉपमैन ने भले ही हॉकी इंडिया पर भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया हो लेकिन उन्हें इस तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा है और उन्हें हर तरफ से पूरा सहयोग मिल रहा है। शॉपमैन भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच थीं जबकि फुल्टोन पुरुष टीम के मुख्य कोच हैं। शॉपमैन ने फरवरी में इस पद से इस्तीफा दे दिया था।

फुल्टोन ने कहा, मुझे अब तक कोई समस्या नहीं हुई है। मुझे अच्छा समर्थन मिला है। मेरे चयन में स्पष्टता है। मुझे सीनियर खिलाड़ियों का पूरा समर्थन मिला है और उन्हें मेरी चीजें अच्छी तरह समझ आती हैं। मौजूदा स्टाफ से लेकर नए स्टाफ तक हम सभी एक सा ही सोचते हैं। उन्होंने कहा, जब टीम में इस तरह का भरोसा हो, खिलाड़ियों का भरोसा हो और आप क्या करना चाहते हो, आपके लक्ष्य क्या हैं, यह पता हो तो मुझे लगता है कि आपके पास भारत में अच्छा करने का अच्छा मौका है।

# खुद को आईने में देखो और पूछो क्या मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ किया, बिंद्रा ने निशानेबाजों से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** ओलंपिक चैम्पियन अभिनव बिंद्रा ने आगामी पेरिस खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने की तैयारियों में जुटे निशानेबाजों से रविवार को यहां बातचीत के दौरान कहा कि 'बिस्तर पर जाने से पहले खुद को आईने में देखो और पूछो कि क्या मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया?'।

भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने निशानेबाजों के सवालों के जवाब देने के साथ ओलंपिक मंच पर निशानेबाजी के अपने अनुभव साझा किए। निशानेबाज अब अंतिम तीन महीनों की महत्वपूर्ण तैयारी में जुटे हैं और डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित इस सत्र में बिंद्रा ने कहा कि सफलता सिर्फ एक बार मिलने वाली चीज नहीं है। उन्होंने कहा, दिन रात निरंतर सही चीजें करना ही सफलता तक पहुंचाता है।

खुद को अनुशासित करने के संबंध में पूछे सवाल पर बिंद्रा ने कहा, आपको खुद से पूरी तरह ईमानदार रहना होगा और हर दिन रोज सोने से पहले खुद को आईने में देखो और पूछो कि क्या मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ किया? अगर जवाब हां है तो आपको आखिर में इसका नतीजा मिलेगा।

भारत ने पेरिस ओलंपिक के लिए राइफल, पिस्टल और शॉटगन में कुल 19 कोटे हासिल किए हैं जो अभी तक सबसे ज्यादा कोटे हैं।

भारतीय निशानेबाजों का पहला जत्था यूरोप में उपकरण जांच के लिए रात में रवाना होगा जिससे पहले भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने यह सत्र आयोजित किया। अप्रैल में इस तरह के तीन जत्थे रवाना होंगे। वहीं तीन सदस्यीय महिला एयर पिस्टल टीम और शॉटगन टीम क्रमशः रियो और दोहा में अंतिम ओलंपिक क्वालीफायर में हिस्सा लेगी।

अप्रैल में राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए चार राष्ट्रीय ओलंपिक चयन ट्रायल्स में से पहला यहीं कराया जाएगा। ऐसा पहली बार होगा जब राइफल और पिस्टल ओलंपिक टीम चुनने के लिए राष्ट्रीय ट्रायल कराए जाएंगे।

बिंद्रा से जब पूछा गया कि वह अतीत के युवा अभिनव को क्या सलाह देना चाहेंगे तो उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि मैं अपनी पूर्ण क्षमता हासिल नहीं कर पाया। काश मैं जिंदगी में और संतुलित रहता और मेरे कुछ और शौक होते। मैं खुद को अकेला कर दिया था।

# छह महीने चोट के कारण दूर रहने के बाद लौटेंगी मीराबाई

**फुकेट/भाषा।** टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू छह महीने चोट के कारण ब्रेक के बाद आईडब्ल्यूएफ विश्व कप के जरिये वापसी करेंगी ताकि पेरिस ओलंपिक का टिकट कटा सके।

विश्व कप आखिरी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट ही नहीं है बल्कि पेरिस खेलों के लिए अनिवार्य भी है। विश्व कप में उनकी भागीदारी ही पेरिस का टिकट कटाने के लिए काफी होगी क्योंकि पूर्व विश्व चैम्पियन महिलाओं की 49 किलो ओलंपिक क्वालीफिकेशन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है। ओलंपिक 2024 क्वालीफिकेशन नियमों के तहत विश्व चैम्पियनशिप 2023 और विश्व कप 2024 में भाग लेना अनिवार्य है। इन दोनों टूर्नामेंटों के अलावा भारोत्तोलक को 2022 विश्व चैम्पियनशिप, 2023 उपमहाद्वीपीय चैम्पियनशिप, 2023 ग्रां प्री वन, 2023 ग्रां प्री टू और 2024 उपमहाद्वीपीय चैम्पियनशिप में से कम से कम तीन में भाग लेना जरूरी है। चानू इन मानदंडों पर खरी उतरती है जिन्होंने 2022 विश्व चैम्पियनशिप और 2023 एशियाई चैम्पियनशिप खेली थी।

विश्व कप के आखिर में इन पात्रताओं पर खरे उतरने वाले शीर्ष 10 भारोत्तोलक अपने भारवर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगे।

## सुविचार

**जिंदगी उसी को आजमाती है, जो हर मोडपर चलना जानता है, कुछ पाकर तो हर कोई मुस्कुराता है, जिंदगी उसी की है, जो सबकुछ खो कर भी मुस्कुराना जानता है।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# एक और उज्ज्वल अध्याय

भारतीय नौसेना ने समुद्री डाकुओं के चंगुल से लगभग दो दर्जन पाकिस्तानी नागरिकों को मुक्त करवाकर मानवता की रक्षा के इतिहास में अपना एक और उज्ज्वल अध्याय जोड़ दिया। भारतीय नौसेना ने समय-समय पर ऐसे कई अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है, जिसमें वह जरूरतमंदों के लिए देवदूत बनकर आई और उनकी जान बचाई। इस बार भारतीय नौसैनिकों ने पाकिस्तानियों की जान बचाकर अपना फर्ज निभाया है। निस्संदेह यह अभियान बहुत खतरनाक था। इसमें नौसैनिकों को बड़ा नुकसान हो सकता था, चूंकि सामने जो डाकू थे, उनके पास भी घातक हथियार थे। समुद्री डाकू अपने कुकृत्यों के लिए कुख्यात हैं। वे इन्सान की जान लेने से जरा भी नहीं हिचकते। उनकी पकड़ में आने के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को यह लग रहा था कि अब ज़िंदगी का खेल खत्म होने वाला है, लेकिन भारतीय नौसेना ने उनके प्राण बचा लिए। बल्कि यह कहना ज्यादा उचित होगा कि नौसेना ने दो दर्जन परिवार बचा लिए। अगर समुद्री डाकू इन पाकिस्तानियों की ज़िंदगी को नुकसान पहुंचा देते तो इन लोगों के परिवारों के लिए भी यह भारी दु:खदायक घटना होती। उक्त पाकिस्तानी नागरिकों ने भारतीय नौसेना का आभार जताया, उसके समर्थन में नारे भी लगाए। जब यह खबर उनके देश पहुंची तो पाकिस्तानी मीडिया इस पर टिप्पणी करने और आभार मानने से कन्नी काटता नजर आया। अगर कोई व्यक्ति/संगठन/सरकार किसी की जान बचाए तो उसका आभार मानना चाहिए, लेकिन 'नाशुक्रा' होना पाकिस्तानियों की पुरानी आदत है।

जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ तो भारत-पाक के कई विद्यार्थी यूक्रेनी शहरों में फंस गए थे। उस दौरान भारत सरकार ने अपने प्रयासों से दोनों देशों को कुछ समय के लिए गोलीबारी बंद करने के लिए राजी कर लिया था। भारतीय विद्यार्थी युद्ध के मैदान में अपने हाथों में तिरंगा थामे और भारत माता के जयकारे लगाते हुए गंतव्य की ओर बढ़ते जा रहे थे। तब कुछ पाकिस्तानियों ने भी तिरंगे की छाया में रहकर अपने प्राण बचा लिए थे। उन्होंने भारत माता के जयकारे लगाए थे। सत्य है, जब सिर पर संकट के बादल मंडराते हैं तो सबसे पहले मां की याद आती है! भारत माता पूरे अखंड भारत के वासियों की माता है। पिछली सदी में कुछ लोगों ने अपनी पूरी ताकत यह साबित करने में लगा दी थी कि वे भारत मां की संतानें नहीं हैं। उन्होंने देश का विभाजन भी करवा दिया, लेकिन कर्मफल उनका पीछा नहीं छोड़ रहा। अब वे अपनी पहचान को लेकर भ्रमित हैं। वे भारतीय संस्कृति से अपना कोई संबंध न होने की बात तो दोहराते हैं, लेकिन कालचक्र उन्हें बार-बार ऐसे मोड़ पर ले आता है, जब भारत ही उनके प्राण बचाने के लिए हाथ बढ़ाता है। पाकिस्तान में लोगों को जो कोरोनारोधी वैक्सीन लगाई गई, वह भी भारत से गई थी। हालांकि पाकिस्तानियों ने उसका श्रेय डब्ल्यूएचओ को दिया था। गंभीर बीमारियों से जूझ रहे कई पाकिस्तानियों को भारत की तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने मानवता के आधार पर जल्द वीजा दिलाने और भारतीय अस्पतालों में इलाज कराने में बहुत मदद की थी। जब अगस्त 2019 में सुषमा स्वराज का स्वर्गवास हुआ तो पाकिस्तान में बहुत लोग उनके लिए अभद्र व अशालीन शब्दों का प्रयोग कर रहे थे। पाकिस्तान का एक कथित रक्षा विश्लेषक तो आज भी टीवी और बड़े यूट्यूब चैनलों पर आकर अनर्गल बयानबाजी करता रहता है। यह उस नफरत का नतीजा है, जो इस पड़ोसी देश के लोगों के दिलो-दिमाग में वर्षों से भरी जा रही है। नफरत में डूबे लोग यह जानने की कोशिश नहीं करेंगे कि उनके देशवासियों को जीवनदान देने के लिए भारत ने कई बार हाथ बढ़ाया है। पाकिस्तानी भले ही कृतघ्नता दिखाएं, लेकिन मानवता की रक्षा और सेवा करने से भारत कभी पीछे नहीं हटेगा।

## ट्वीटर टॉक

लोकतंत्र बचाने की लड़ाई को मजबूती देने के लिए आज करोटी, रेवदर के कार्यकर्ता सम्मेलन में सहभागिता की। इस दौरान जनता जनार्दन से संविधान, जनतंत्र व चुनावों को बचाने के लिए कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत को आशीर्वाद देने का आग्रह किया।

**-अशोक गहलोत**

आज जयपुर में लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों को लेकर के पदाधिकारियों के साथ चर्चा की। मोदी सरकार ने देश में बीते एक दशक में सुशासन, गरीब कल्याण, सांस्कृतिक विरासतों का पुनर्निर्माण व वैश्विक सम्मान की दिशा में नए कीर्तिमान बनाये हैं।

**-अमित शाह**

माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा आदरणीय श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को ''भारत रत्न'' से सम्मानित किया जाना उनके जीवन भर की तपस्या का सुफल है। उन्होंने जिस समर्पण के साथ देश की अद्वितीय सेवा की वह सभी के लिए प्रेरणा है।

**-ओम बिरला**

## प्रेरक प्रसंग

# सच्चा राष्ट्रवाद

स्वामी रामतीर्थ जापान यात्रा पर थे। उन दिनों वे उपवास पर थे और केवल फलाहार लेते थे। कहीं स्थानीय यात्रा के लिए वे रेलवे स्टेशन पहुंचे। ट्रेन चलने में काफी वक्त था, इसलिए वे फलों के लिए काफी दूर गए, लेकिन उन्हें फल नहीं मिले। लौटकर अपने सहयोगी से बोले, 'भाई! जापान तो फलों के मामले में काफी गरीब देश लगता है, खोजने पर भी मुझे फल नहीं मिले।' कुछ ही देर में एक युवक फलों की टोकरी लेकर डिब्बे में आया और स्वामी जी को सौंप दी। आश्चर्य में डूबे स्वामी जी ने जब युवक से पूछा, तो युवक ने बताया कि वह उनकी बातें सुन रहा था। वह नजदीक ही अपने घर से फल ले आया है। स्वामीजी को काफी प्रसन्नता हुई। उन्होंने फलों का मूल्य देना चाहा, तो युवक ने मना कर दिया। तब स्वामीजी ने कहा कि मैं मुफ्त में ये फल नहीं लूंगा, तो युवक ने उत्तर दिया, 'इन फलों की कीमत उससे कहीं ज्यादा है, जो आप मुझे दे रहे हो।' स्वामीजी ने कौतूहलवश पूछा, 'बताइए, इनकी क्या कीमत है?' युवक ने कहा, 'आप अनेक देशों का भ्रमण करते हैं, तो कृपया कहीं भी जाकर यह न बतायें कि हमारा जापान फलों के मामले में गरीब देश है।'

## सामयिक

# राजनीति में बदल रहे नैतिकता के मायने

सुरेश हिन्दुस्थानी

मोबाइल : 9770015780

भारतीय राजनीति में ऐसे कई उदाहरण दिए जा सकते हैं, जो आज भी नैतिकता के आदर्श हैं। लेकिन आज की राजनीति को देखकर ऐसा लगने लगा है कि नैतिकता की राजनीति दूसरा तो अवश्य करें, पर ज़ब स्वयं को नैतिकता की कसौटी पर परखने की बारी आए तब नैतिकता के मायनों को बदल दिया जाता है। भारतीय राजनीति में राजनेताओं पर आरोप लगने पर कई लोगों ने अपने पद को त्याग दिया था, दिल्ली के शराब घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने भारतीय राजनीति को अलग राह पर ले जाने का उदाहरण पेश किया है, हालांकि इस उदाहरण को आदर्श वादिता के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किए गए हैं। यह एक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले व्यक्ति के लिए शोभनीय नहीं हैं। केजरीवाल स्वयं कहते थे कि वे राजनीति में भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आए हैं, लेकिन अब ज़ब उन पर ही सवाल उठ रहे हैं, तब उनसे भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की आशा करना बेमानी ही कही जाएगी। यहाँ सवाल यह भी उठ रहा है कि दिल्ली के शराब घोटाले में अभी तक जिन पर आरोप लग रहे हैं, उनको जमानत लेने का पर्याप्त आधार नहीं मिल रहा, इसका आशय यह भी है कि सरकार की ओर से कोई न कोई गलत आचरण किया गया होगा, अन्यथा एक मुख्यमंत्री को ऐसे ही गिरफ्तार नहीं किया जाता। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से भी यही कहा जा रहा है, उसके पास इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि आम आदमी पार्टी के नेताओं के संकेत पर पैसों का लेनदेन हुआ।

दिल्ली में शराब घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिस प्रकार से प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया है, उस पर विपक्ष की ओर से सत्ता पक्ष पर कई प्रकार के सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल उठाना विपक्ष की राजनीतिक मजबूरी हो सकती है, लेकिन इन सवालों की परिधि में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से जो आरोप लगाए जा रहे हैं, उस पर विपक्ष कुछ भी बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। इससे इस बात को भी बल मिलता है कि दाल में कुछ काला अवश्य है। प्रवर्तन निदेशालय ने यह साफ तौर पर संकेत दिया है कि केजरीवाल शराब घोटाले का मुख्य आरोपी है। अब यह जांच के बाद ही पता चलेगा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर लगाए जा रहे आरोप किस हद तक सही हैं या फिर केजरीवाल अपने आपको निर्दोष साबित कर पाते हैं या नहीं। अगर प्रवर्तन निदेशालय की ओर से लगाए गए आरोपी प्रमाणित होते हैं तो यह स्पष्ट कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक संवैधानिक पद के प्रभाव का दुरुपयोग किया है।

हम यह भली भांति जानते हैं कि अरविंद केजरीवाल अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की उपज हैं। उस समय अरविंद केजरीवाल ने अपने आपको ऐसा प्रचारित किया कि एक वे ही भारतीय राजनीति के उच्चतम आदर्श हैं। लेकिन उनके आचरण पर स्वयं अण्णा हजारे ने सवाल उठाए थे, हालांकि अण्णा हजारे के सवालों को केजरीवाल ने दरकिनार कर दिया। इसका तात्पर्य यही है कि अन्ना हजारे राजनीति में जिस प्रकार का पारदर्शी व्यवहार चाहते थे, वैसा दिखाई नहीं दे रहा था। अब अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भी समाजसेवी अण्णा हजारे की ओर से साफ सुथरी टिप्पणी आई है, जिसमें अण्णा हजारे ने शराब पर नीति बनाने से रोका था। अण्णा हजारे ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को उनके कर्मों का परिणाम बताया। आज दिल्ली का शराब घोटाला यही चरितार्थ करते हुए लग रहा है कि शराब किसी भी संस्था या व्यक्ति को बर्बाद कर देती है। यह बात केजरीवाल पर लागू होती है या नहीं, यह तो समय बताएगा, लेकिन जब आग लगती है तब ही धुंआ उठता है और इस धुंए का कालिमा किस किस के शक्ल को बिगाड़ने का काम करेगी, यह समय के गर्भ में है।

केजरीवाल की सरकार पर सवाल उठना तो उसी समय प्रारंभ हो गए थे, जब उनका पहला मंत्री जेल में गया। उसके बाद तो जैसे लाइन ही लग गई। राजनीतिक शुचिता लाने का दम दिखाने वाले आम आदमी पार्टी के नेताओं पर इस प्रकार के आरोप लगने केवल राजनीतिक विद्वेष नहीं हो सकता। अगर यह कार्यवाही राजनीतिक होती तो स्वाभाविक रूप से इन सभी को जमानत भी मिल जाती। जमानत नहीं मिलने से यह आशंका प्रबल हो जाती है कि भ्रष्टाचार हुआ है। आम आदमी पार्टी के नेता भी केवल अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का ही विरोध कर रहे हैं, कोई भी यह नहीं कह रहा कि दिल्ली में शराब घोटाला नहीं हुआ या फिर गोवा के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार का पैसा नहीं लगाया। यह बात सही है कि राजनीतिक तौर पर तर्क तो कई दिए जा सकते हैं, लेकिन इन तर्कों का आधार क्या है? यह कोई नहीं बता पाता।

भारत की राजनीति में इसे विसंगति ही माना जाएगा कि कोई अपराधी और उसके समर्थक उसे ऐसे नायक के रूप में प्रस्तुत करते दिखाई देते हैं, जैसे वह समाज के लिए आदर्श बन गया हो। ऐसे तमाम उदाहरण दिए जा सकते हैं जिसमें नेता जमानत पर बाहर आकर राजनीतिक वातावरण को स्वच्छ करने की बात करते हैं। क्या वास्तव में ऐसे राजनेता देश के राजनीतिक वातावरण को सकारात्मक दिशा देने का सामर्थ्य रखते हैं। कदाचित नहीं। क्योंकि आज के राजनीतिक माहौल में राजनेता जैसा अपने आपको दिखाने का प्रयास करते हैं, वैसा सिद्धांततः होता नहीं है। उनके क्रियाकलाप केवल और केवल भ्रमित करने वाली राजनीति करने की ही होती है। देश में एक समय यह आम धारणा बन चुकी थी कि राजनीतिक भ्रष्टाचार इस देश की नियति बन चुकी है, लेकिन पिछले दस साल में इस धारणा को बदलने की सुगबुगाहट भी सुनाई देने लगी है। यह सुगबुगाहट कई राजनीतिक दलों को पसंद नहीं आ रही। ऐसे कई राजनेता हैं जो भ्रष्टाचार के दोषी सिद्ध हो चुके हैं और देश की राजनीति को सुधारने की कवायद कर रहे हैं। अब सवाल यह भी आता है कि क्या बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने की बात करने का साहस दिखा सकते हैं। इसका उत्तर नहीं ही होगा, लेकिन वे फिर राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। भारत में साफ सुथरी राजनीति के क्या यही मायने हैं? क्या ऐसे नेता राजनीति को सही दिशा दे सकते हैं, इसका उत्तर हमें स्वयं तलाश करना होगा? ऐसे ही दिल्ली सरकार के घोटाला में होता हुआ लग रहा है। क्योंकि यह स्पष्ट रूप से कहा जा रहा कि गोवा में 45 करोड़ रुपए हवाला के माध्यम से दिए गए। ऐसे में सवाल यही है कि क्या यही साफ सुथरी राजनीति के मायने हैं? तर्क कुछ भी हों, परन्तु अब ऐसी राजनीति से देश को अलग करने का समय आ गया है।

## विशेष

# मूर्ख दिवस का है दिलचस्प इतिहास

योगेश कुमार गोयल

फोन : 9034304041.

'मूर्ख दिवस' मनाने की परम्परा कब, कैसे और कहां प्रचलित हुई, इस बारे में दावे के साथ तो कुछ नहीं कहा जा सकता पर माना यही जाता है कि इस परम्परा की शुरूआत फ्रांस में 16वीं सदी के उत्तरार्द्ध में हुई थी। माना जाता है कि एक अप्रैल 1564 को फ्रांस के राजा ने मनोरंजक बातों के जरिये एक-दूसरे के बीच मैत्री और प्रेम भाव की स्थापना के लिए एक सभा का आयोजन कराया था। उसके बाद निर्णय लिया गया कि अब से हर वर्ष इसी दिन ऐसी ही सभा का आयोजन होगा, जिसमें सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण हरकतें करने वाले व्यक्ति को 'मास्टर ऑफ फूल' की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। इस सभा में शिरकत करने वाले व्यक्ति अनोखी और विचित्र वेशभूषाएं धारण करके अपनी अजीबोगरीब हरकतों से उपस्थित जनसमूह का मनोरंजन किया करते थे और सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण हरकत करने वाले व्यक्ति को 'मूर्खों का अध्यक्ष' चुना जाता था, जिसे 'बिशप ऑफ फूल्स' की उपाधि से नवाजा जाता था। इस सभा के बाद गधा सम्मेलन' का भी आयोजन होता था, जो करीब एक सप्ताह चलता था। सम्मेलन में लोग अपने चेहरे पर गधे के मुंह की आकृति के मुखौटे लगाकर गधे की आवाज निकालते थे। इस दिन वहां कर्मचारी, अधिकारी सभी एक-दूसरे का मजाक उड़ाने को स्वतंत्र होते थे।

यह भी मान्यता है कि 1564 में फ्रांस के सम्राट चार्ल्स के आदेश पर लागू हुए ग्रेगेरियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरूआत 1 जनवरी से की जाने लगी जबकि उससे पूर्व चूंकि वर्ष में सिर्फ 9 ही महीने होते थे, अतः नया साल 1 अप्रैल से ही शुरू होता था लेकिन ग्रेगेरियन कैलेंडर लागू किए जाने के बाद भी जो लोग 1 अप्रैल को ही नव वर्ष के रूप में मनाते रहे, दूसरे लोगों ने उनका मजाक उड़ाना शुरू कर दिया और इस तरह 1 अप्रैल को मूर्ख दिवस' के रूप में मनाए जाने की परम्परा शुरू हो गई। कुछ पश्चिमी राष्ट्रों में वे लोग, जो जूलियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरूआत 25 मार्च से मानते हैं, वे वसंत के आगमन के साथ ही नए साल के आने की खुशियां मनाते हैं और एक सप्ताह तक चले इन मनोरंजक कार्यक्रमों का समापन वे 1 अप्रैल को ही करते हैं। 'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ रिलीजन' तथा 'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ ब्रिटानिका' के अनुसार भी एक अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' मनाने का सीधा संबंध वसंत के आगमन से ही है, जब प्रकृति मनुष्य को अपने अनियमित मौसम से मूर्ख बनाती है।

कुछ लोग अप्रैल फूल मनाने की परम्परा की शुरूआत इटली से हुई मानते हैं। प्राचीन समय से ही इटली में एक अप्रैल को एक मनोरंजन उत्सव मनाया जाता है, जिसमें स्त्री-पुरुष सभी जमकर शराब पीते हैं और नाच-गाकर खूब हुड़दंग मचाते हैं। रात के समय दावतों का आयोजन भी किया जाता है। यूरोप के कुछ देशों में भी प्राचीन काल से ही 'मूर्ख दिवस' मनाए जाने का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि इस दिन वहां मालिक नौकर की और नौकर मालिक की भूमिका अदा करता था और नौकर इस दिन मालिक से अपने मनचाहे काम कराते थे, जिन्हें मालिक भी बिना किसी विरोध के खुशी-खुशी किया करते थे।

यूनान में 'मूर्ख दिवस' की शुरूआत कैसे हुई, इस संबंध में कई किस्से प्रचलित हैं। ऐसे ही एक किस्से में कहा जाता है कि यूनान में एक व्यक्ति को खुद की बुद्धि और चतुराई पर बहुत घमंड था। वह बुद्धिमानी और चतुराई के मामले में अपने बराबर दुनिया में किसी को कुछ नहीं समझता था। एक बार उसके कुछ दोस्तों ने उसे सबक सिखाने का निश्चय किया और उससे कहा कि मध्य रात्रि के समय पहाड़ की चोटी पर आज देवता अवतरित होंगे और वहां जितने भी लोग उपस्थित होंगे, उन्हें वह मनचाहा वरदान देंगे। अपने दोस्तों की बात पर विश्वास करके वह अगले दिन सुबह होने तक पहाड़ की चोटी पर देवता के प्रकट होने का इंतजार करता रहा और जब निराश होकर वापस लौटा तो दोस्तों ने उसका खूब मजाक उड़ाया। जिस दिन यह घटना हुई, उस दिन पहली अप्रैल थी। माना जाता है कि तभी से यूनान में एक अप्रैल को लोगों को मूर्ख बनाने की परम्परा शुरू हुई।

स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल को 'अप्रैल गोक' कहा जाता है, जिसका अर्थ है पपीहा और पपीहा को यहां बुद्धूपन का प्रतीक माना गया है। इस अवसर पर लोग यहां कई प्रकार की मनोरंजक व आश्चर्यजनक अफवाहें उड़ाते हैं, जिन पर लोगों को आसानी से विश्वास भी हो जाता है। आज तो दुनिया के बड़े-बड़े टी. वी. चैनल और प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाएं भी अपने दर्शकों व पाठकों के साथ 1 अप्रैल को ऐसी हंसी-ठिठौली करने में पीछे नहीं रहते।

## नजरिया

# गर्मी की दस्तक के साथ मौसमी बीमारियों ने पसारे पैर

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

मौसम परिवर्तन और बीमारियों का चोली दामन का साथ है। मार्च माह की समाप्ति और अप्रैल का महीना शुरू होते होते मौसम भी करवट लेता है। तेज गर्मी ने एकाएक ही लोगों को अपने आगोस में ले लिया है। पंखों के साथ कूलर और ऐसी चलने लगे है। तापमान में भी घटत बढ़त हो रही है। इस समय उत्तर भारत सहित देश के अनेक भागों में बेमौसम वर्षात हो रही है जो हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में बहुत से लोग मौसम में परिवर्तन को झेल नहीं पाते और तबीयत बिगड़ जाती है। विशेषकर जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है वे मौसमी बीमारियों का शिकार हो जाते है। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, यूपी, एमपी आदि प्रदेशों से मिली खबरों के मुताबिक मौसम परिवर्तन के साथ ही मौसमी बीमारियां और वायरल बुखार का प्रकोप पैर पसारने लगा है, जिसके चलते चिकित्सालय में मरीजों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। रोगियों को घंटों लाइन में लगने के बाद चिकित्सक को दिखाने के लिए नंबर आ रहा है। मौसम परिवर्तन के साथ ही सर्दी, खांसी- जुकाम, चिकनगुनिया, डेंगू, वायरल बुखार, उल्टी- दस्त के रोगियों की संख्या बढ़ी है। मच्छरों का प्रकोप भी बीमारियां बढ़ाने में सहायक हो रहा है। डॉक्टरों के अनुसार तापमान में उतार-चढ़ाव के चलते मौसमी बीमारियां बढ़ी हैं। इस मौसम में जोड़ों में दर्द, बदन दर्द, सिरदर्द, खांसी, जुकाम एवं बुखार होता है। बदलते मौसम में खान पान में सतर्कता रखनी जरूरी है।

मौसम में आये बदलाव के साथ ही मौसमी बीमारियों ने दस्तक दे दी है। घर घर में मौसमी बीमारियां से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़ती ही जारही है। अस्पतालों में बच्चे से बुजुर्ग तक इलाज के लिए लाइन में लगे देखे जा सकते है। सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को पहले ही अलर्ट कर दिया था। मगर बुखार, स्वाइन फ्लू, स्क्रब टाइफस और डेंगू के मरीजों में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी देखी जा रही है। इस समय मौसम ने जो अंगड़ाई ली है उसमें कभी गर्मी और कभी ठंडक का एहसास हो रहा है। मौसम का यह बदलाव मानव के स्वास्थ्य के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। इससे बचने का एक मात्र उपाय सतर्कता और जागरूकता ही है। यह बीमारियां आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित कर कई बार आपके आंतरिक अंगों को भी प्रभावित करती हैं। इनसे बचने के लिए सावधानी रखना बेहद आवश्यक है।

खान-पान और साफ-सफाई का ध्यान न दे पाने की वजह से चिकनगुनिया और डेंगू की समस्या से लोगों को दो दो हाथ करने पड़ रहे है। मौसम बदलने के साथ ही बीमारियों का होना भी शुरू हो जाता है और बुखार- जुकाम आदि बीमारियां ज्यादा होने लगती है। चिकनगुनिया, डेंगू आदि होने का खतरा भी बढ़ जाता है और कई बार हम पहचान नहीं कर पाते हैं कि रोगी को चिकगुनिया की बुखार है या डेंगू बुखार या फिर सामान्य बुखार। इस वजह से बीमारी ज्यादा बढ़ जाती है और मुश्किल से नियंत्रण में आती है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम परिवर्तन और तेजी से होने वाले शहरीकरण के असर ने इन बीमारियों को फैलने में सहायता की है।

कहते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में कंस्ट्रक्शन बढ़ा है। यह मच्छरों से होने वाली बीमारी का एक कारण है। कंस्ट्रक्शन साइटस पर मच्छर ज्यादा पनप रहे हैं। वहीं पहले के मुकाबले सर्विलांस बढ़ा है। इस वजह से भी डेंगू के मामले अधिक दर्ज हो रहे हैं। बताते हैं कि न तो डेंगू, चिकनगुनिया की कोई दवा है और न ही वैक्सीन। चिकनगुनिया और डेंगू मच्छर के काटने की वजह से होते हैं। मादा एडिस एजिप्टी मच्छर के काटने कारण माना जा रहा है। लेकिन कुछ मामलों में, एडीज मच्छर का काटना भी इस बीमारी की वजह मानी जा रही है।

शुरुआत में चिकनगुनिया में तेज बुखार, लगातार सिरदर्द, आंखों से पानी आना और थकान होना इसकी विशेषता है। इस बीमारी में भले बुखार उतर जाए, लेकिन थकान और सिरदर्द बना रहता है। अधिकांश रोगियों को जोड़ों में दर्द की शिकायत भी होती है। यह दर्द हफ्तों और महीनों के लिए बना रह सकता है। तेज बुखार, सिर दर्द, मतली आना, बदन दर्द और लाल चकत्ते होना डेंगू की पुष्टि करता है। रोगियों की संख्या में डेंगू बुखार एक रक्तस्रावी जो अनिश्चितता के बादल कम ब्लड प्लेटलेट्स का स्तर और रक्त प्लाज्मा के रिसाव में परिणाम का कारण बनता है। डेंगू भी भारी रक्तस्राव मौत का कारण बन सकता है। डेंगू और चिकनगुनिया के बीच का अंतर जानने के लिए रोगी के खून की जांच जरूरी है। इससे खून में मौजूद विशिष्ट वायरस का पता लगा सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

## सावरकर के जीवन और संघर्ष को दर्शाती है पुस्तक विनायक दामोदर सावरकर

नई दिल्ली/भाषा। हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के संबंध में आने वाली पुस्तक ''विनायक दामोदर सावरकर : नायक बनाम प्रतिनायक'' में हिंदू राष्ट्र की अवधारणा, भारत विभाजन, सनातन धर्म, अल्पसंख्यकों और बहुसंख्यकों के संबंध में उनके विचारों के साथ ही उनके जीवन के संघर्ष और आजादी की लड़ाई में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया है।

पुस्तक में सावरकर के हवाले से लिखा गया है, इस देश को अपनी मातृभूमि और पुण्यभूमि मानने वाला हर व्यक्ति हिंदू है। यह परिभाषा समाज में और अधिक बिखराव एवं अलगाव को रोकने तथा हिंदुओं को भारत के लोगों का एक समुदाय बनाने में सशक्त भूमिका अदा करेगी।

लेखक कमलाकांत त्रिपाठी लिखित इस पुस्तक में भारत के विभाजन के संबंध में कहा गया है कि मोहम्मद अली जिन्ना जहां हिंदुस्तान को दो भागों में बांटे जाने के समर्थक थे, तो वहीं सावरकर ने कहा था कि दोनों राष्ट्र एक ही संविधान के तहत एक ही देश में रह सकते हैं, किंतु संविधान ऐसा होना चाहिए जिसमें हिंदू राष्ट्र की प्रधानता रहे और मुस्लिम राष्ट्र उसके साथ सहयोग करे।

लेखक कहते हैं कि सावरकर इस व्यवस्था को इस आधार पर साकार करना चाहते थे कि इसमें हर व्यक्ति का, चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान, एक वोट होगा और इसमें मुसलमानों को कोई ऐसा लाभ नहीं मिलेगा जो हिंदुओं को उपलब्ध न हो।

पुस्तक के अनुसार, उनका कहना था ''किसी समुदाय की अल्पसंख्या उसके किसी विशेषाधिकार के लिए औचित्य प्रदान नहीं करती। इसी तरह किसी समुदाय की बहुसंख्या उसके किसी अधिकार से वंचित करने के दंड का भी आधार नहीं बन सकती।

## गोवा में आप के 'रिश्वत' राशि के इस्तेमाल का खुलासा आयकर, सीबीआई की जांच में भी हुआ

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग ने भी अलग-अलग जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दावे की ''पुष्टि'' की है कि दिल्ली आबकारी मामले में 45 करोड़ रुपए की कथित रिश्वत का इस्तेमाल आम आदमी पार्टी (आप) ने 2022 के गोवा चुनाव प्रचार के लिए किया। अदालत में दाखिल दस्तावेजों से यह जानकारी मिली।

इस मामले में ईडी हवाला ऑपरेटर और अंगड़िया के एक विस्तृत नेटवर्क की भी जांच कर रही है। ईडी ने आबकारी मामले में हाल में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था और दावा किया था कि कोष के कथित धन शोधन के लिए केजरीवाल और उनकी पार्टी पर मुकदमा चलाया जा सकता है।

ईडी ने 45 करोड़ रुपए की कथित रिश्वत राशि के लेन-देन को स्थापित करने के लिए पांच अंगड़िया फर्म संचालकों के बयान भी दर्ज किए हैं। अंगड़िया हवाला जैसी अनौपचारिक कूरियर और बैंक सेवाएं हैं जिनका इस्तेमाल विशेष रूप से हीरे और आभूषण क्षेत्र के व्यवसायों द्वारा सरकारी करों और देनदारी से बचने के लिए केवाईसी-आधारित औपचारिक बैंकिंग मार्ग से बचते हुए बड़ी नकद राशि और अन्य कीमती सामान स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है।

ईडी द्वारा इस मामले में गिरफ्तार किए गए 16 प्रमुख लोगों में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी और विधान पार्षद के. कविता, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह शामिल हैं।

आप और उसके नेताओं ने किसी भी गड़बड़ी के आरोपों से बार-बार इनकार किया है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि यह मामला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा आप को भ्रष्ट पार्टी के रूप में पेश करने के लिए माहौल बनाने का प्रयास है।

आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि मामले में शामिल अन्य लोगों जैसे तेलगु देशम पार्टी (तेदेपा) के लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी, उनके बेटे राघव मगुंटा और अरबिंदो फार्मा के प्रवर्तक शरत रेड्डी के बयान केजरीवाल को फंसाने तथा आगामी चुनावों में उनकी भागीदारी को रोकने के लिए बदल दिए गए।

ईडी ने दावा किया है कि 45 करोड़ रुपए की राशि धन शोधन रोधी कानून के तहत ''अपराध से अर्जित आय'' है। ईडी का दावा है कि यह नेताओं और शराब कारोबारियों के 'साउथ ग्रुप' द्वारा आम आदमी पार्टी को दी गई कुल 100 करोड़ रुपए की रिश्वत राशि का हिस्सा है। एजेंसी ने दावा किया है कि दिल्ली शराब बाजार में प्रमुख स्थान हासिल करने के लिए यह रकम दी गई।

### महारैली

नई दिल्ली में आई.एन.डी.आई.ए. रविवार को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आम आदमी पार्टी द्वारा आयोजित लोकतंत्र बचाओ महारैली में गठबंधन समर्थक।

## हिंडनबर्ग प्रभाव से बाहर निकला अडाणी समूह, तेजी से विस्तार के रास्ते पर

नई दिल्ली/भाषा। ऐसा जान पड़ता है कि विभिन्न कारोबार से जुड़ा अडाणी समूह अब पूरी तरह से हिंडनबर्ग प्रभाव से बाहर आ गया है। समूह ने एक सप्ताह के भीतर 1.2 अरब डॉलर का तांबा संयंत्र खोला, ओड़िशा में बंदरगाह खरीदा और सीमेंट कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ायी। साथ ही प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाली मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ गठजोड़ भी किया है।

समूह ने पिछले एक सप्ताह में शेयर बाजारों को दी सूचना और प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से अपने मुख्य बंदरगाह कारोबार में विस्तार और निवेश, धातु रिफाइनिंग में विविधीकरण, दो साल पुराने सीमेंट क्षेत्र में पूंजी डाले जाने और अपनी वृहत सौर परियोजना के चालू होने के मामले में लगातार हो रही प्रगति की घोषणा की है।

इसकी शुरुआत 26 मार्च को अडाणी पोर्ट्स के गोपालपुर पोर्ट में 3,350 करोड़ रुपए के उद्यम मूल्य पर 95 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा के साथ हुई। इससे उसके नियंत्रण में बंदरगाहों की संख्या 15 हो गई। यह देश में किसी भी निजी कंपनी के पास बंदरगाहों की सर्वाधिक संख्या है।

इसके बाद समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लि. ने 28 मार्च को गुजरात के मुंदड़ा में एक ही स्थान पर दुनिया के सबसे बड़े तांबा विनिर्माण संयंत्र के पहले चरण की घोषणा की। यह समूह के धातु शोधन के क्षेत्र में प्रवेश को बताता है।

कुल 1.2 अरब डॉलर (लगभग 10,000 करोड़ रुपए) के संयंत्र ने भारत को चीन और अन्य देशों में शामिल होने में मदद की है। ये देश तेजी से तांबे का उत्पादन बढ़ा रहे हैं। यह कोयला जैसे जीवाश्म ईंधन के कम उपयोग के लिहाज से महत्वपूर्ण धातु है। ऊर्जा बदलाव के लिहाज से महत्वपूर्ण इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, सौर फोटोवोल्टिक्स (पीवी), पवन और बैटरी सभी में तांबे की आवश्यकता होती है।

उसी दिन, समूह के प्रवर्तक गौतम अडाणी और उनके परिवार ने देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स में हिस्सेदारी बढ़ाकर 66.7 प्रतिशत करने के लिए 6,661 करोड़ रुपए का निवेश की घोषणा की।

एक दिन बाद, समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई अडाणी ग्रीन एनर्जी लि. ने गुजरात के खावड़ा में अपनी 775 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू करने की घोषणा की। खावड़ा वह स्थान है, जहां वह सौर ऊर्जा से 30 गीगावाट क्षमता की बिजली परियोजनाएं स्थापित करने लिए एक विशाल सौर फार्म का निर्माण कर रही है। यह समूह की 2030 तक 45 गीगावॉट क्षमता का लक्ष्य हासिल करने की योजना का हिस्सा है।

## मुश्किलों में सीमा हैदर और सचिन मीणा की शादी, पाकिस्तानी पति ने दायर किया मुकदमा

**मुंबई/एजेन्सी**

पाकिस्तान से भारत आकर सचिन मीणा से शादी करने वाली सीमा हैदर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सीमा हैदर के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर ने नोएडा कोर्ट में कपल के खिलाफ केस दर्ज किया है। जिसके बाद से ही सीमा हैदर और सचिन मीणा की शादी संकट में होते दिखाई दे रही है। सीमा हैदर का पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर अभी पाकिस्तान में ही रहता है, इसलिए उसने सीमा और सचिन पर केस दर्ज करने के लिए भारतीय वकील मोमिन मलिका को हायर किया। उनके जरिए गुलाम हैदर ने सीमा और सचिन के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए नोएडा कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई है। अब मोमिन मलिक नोएडा कोर्ट में इस मामले की पैरवी करेंगे। फिलहाल इस मामले पर कोर्ट ने पुलिस को नोटिस जारी करते हुए 18 अप्रैल तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। आपको बता दें कि सीमा हैदर ने पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर के साथ तलाक नहीं लिया है। ऐसे में उसकी सचिन के साथ शादी मान्य नहीं है। इसलिए अब केस के बाद दोनों के रिश्ते के बीच तलवार लटकी है।

### महिला कबड्डी

पटना में 33वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी बालिका प्रतियोगिता के उद्घाटन के दौरान तेजस्विनी बाई, अर्जुन अरवाडे और भारतीय महिला कबड्डी टीम के मुख्य कोच, एशियाई स्वर्ण पदक विजेता और प्रो कबड्डी लीग में पटना पाइरेट्स के कप्तान सचिन तंवर के साथ।

## पांच भाषाओं में प्रदर्शित होगी 'गेम चेंजर', दोहरी भूमिका में नजर आएंगे रामचरण

**मुंबई/एजेन्सी**

आरआरआर के बाद रामचरण की अगली फिल्म गेम चेंजर है, जिसे निर्देशक शंकर ने निर्देशित किया है। शंकर की गिनती सिने दुनिया में कामयाब और बेहतरीन निर्देशकों में होती है। रोबोटो, 2.0, नायक सरीखी फिल्मों को दर्शकों के सामने लाने वाले शंकर और रामचरण अभिनीत गेम चेंजर को लेकर दर्शकों में गजब का उत्सार दिखाई देने लगा है। रामचरण के जन्मदिन पर फिल्म से पहला गाना 'जरागांडी' रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। वहीं, अब फिल्म की रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म के निर्माता दिल राजू ने फिल्म को लेकर कुछ दिलचस्प जानकारियां साझा की हैं।

रामचरण की 'गेम चेंजर' बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म की शूटिंग पिछले तीन साल से हो रही है और प्रशंसक तंग आ चुके हैं, क्योंकि उन्हें अभी तक रिलीज डेट का पता नहीं चल पाया है। फिल्म के प्रोड्यूसर दिल राजू का कहना है कि फिल्म की रिलीज डेट लगभग लॉक हो चुकी है। हाल ही में एक प्रेस मीट में बात करते हुए दिल राजू ने पुष्टि की कि गेम चेंजर पांच भाषाओं में रिलीज होगी।

फिल्म का निर्देशन एस शंकर कर रहे हैं। दिल राजू का कहना है कि उन्होंने और एस शंकर ने दो तारीखें तय कर ली हैं और अगले कुछ दिनों में एक का चयन करेंगे। राम चरण अब अपने परिवार के साथ छोटी छुट्टियों के लिए थाईलैंड में हैं। ऐसे में अब यह साफ हो चुका है कि आने वाले कुछ दिनों में फिल्म की रिलीज की तारीख तय हो जाएगी। हालांकि, इससे पहले दिल राजू ने राम चरण के जन्मदिन पर घोषणा की थी कि 'गेम चेंजर' पांच महीनों में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उन्होंने कहा था कि फिल्मांकन मई के अंत तक समाप्त हो जाएगा। दर्शक फिल्म की रिलीज को लेकर बेहद उत्साहित हैं। ऐसे में दिल राजू ने दर्शकों को आश्वासन दिया था कि पांच में से तीन गाने निस्संदेह उन्हें सिनेमाघरों में आकर्षित करेंगे। फिल्म में पांच गाने हैं, जिनमें से तीन भव्य स्तर पर दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।

वहीं बात करें फिल्म की तो शंकर द्वारा लिखित और निर्देशित 'गेम चेंजर' एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें राम चरण दो भूमिकाओं में हैं। राम चरण के साथ कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, जयराम, सुनील, श्रीकांत, समुथिरकानी और नासर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'गेम चेंजर' की कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले इस फिल्म को दिल राजू ने निर्मित किया है। फिल्म में एस थमन द्वारा संगीत दिया गया है। शमीर मुहम्मद द्वारा संपादन और तिररू द्वारा छायांकन किया गया है।

## फिल्मी दुनिया से अब बड़ा गायक बामुश्किल ही निकलता है : शान

**मुंबई/एजेन्सी**

लोकप्रिय गायक शान का कहना है कि भारतीय संगीत अहम बदलाव से गुजर रहा है और आज एक कलाकार को प्रसिद्धी के लिए फिल्मों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। वर्ष 1990 के दशक के अंत में 'लव-ओलॉजी' और 'तन्हा दिल' एल्बम के साथ अपने करियर की शुरुआत करने वाले शान ने कहा कि यह गुरु रंधावा, नेहा कक्कड़ और बादशाह जैसे रैपर्स या संगीतकारों का दौर है। उन्होंने कहा कि अरिजीत सिंह फिल्मी दुनिया से लोकप्रिय होने वाले आखिरी बड़े गायक हैं। शान ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, '' संगीत की दुनिया में आज जितने भी बड़े नाम हैं वे या तो रैपर हैं या उनके पास संगीत शैलियों का अपना ब्रांड है। अरिजीत सिंह संभवत: फिल्म संगीत से आने वाले आखिरी बड़े गायक हैं।''

उन्होंने कहा, '' लेकिन इनमें से कई फिल्म जगत में आने से पहले ही खुद का संगीत बनाकर लोकप्रिय हो गए थे, जैसे कि गुरु रंधावा, हनी सिंह, बादशाह, किंग। लेकिन आज फिल्मी दुनिया से बामुश्किल ही कोई बड़ा गायक निकल रहा है।'' शान ने कहा, '' मेरे जैसे गायक, जिनकी छवि बॉलीवुड गायक के तौर पर बन चुकी है उनके लिए इससे बाहर निकलना बहुत मुश्किल है। मुझे लगता है कि मेरे गैर-फिल्मी गाने शायद ही लोग सुनेंगे।''

## अभी भी दर्शकों को आकर्षित कर रही है 'शैतान'

**मुंबई/एजेन्सी**

आर माधवन और अजय देवगन की धमाकेदार तंत्र-मंत्र पर बेस्ड हॉरर फिल्म 'शैतान' को दर्शकों का खूब प्यार मिला। डायरेक्टर विकास बहल की 'शैतान' की कहानी लोगों को काफी पसंद का आ रही है। विकास के लिए नई कहानी के साथ पर्दे पर आना काफी फायदे का सौदा साबित हुआ। यही वजह है कि प्रदर्शन के 23 दिनों बाद भी इसकी कमाई की रफ्तार जारी है। हालांकि, अब 'शैतान' का बॉक्स ऑफिस पर 'क्रू' के साथ तगड़ा मुकाबला है। ऐसे में अब 'शैतान' के 23वें दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं। आइए जानते हैं फिल्म ने अब तक कितना बिजनेस कर लिया है?

डायरेक्टर विकास बहल फिल्म 'शैतान' में अजय देवगन और आर माधवन की एक्टिंग को खूब पसंद किया जा रहा है। बॉक्स ऑफिस पर भी 'शैतान' ने जमकर कमाई की। फिल्म में ज्योतिका ने भी अपनी एक्टिंग से सभी को खूब इंप्रेस किया। रिलीज के 23 दिनों बाद भी 'शैतान' करोड़ों का बिजनेस कर रही है।'शैतान' ने ओपनिंग डे पर 14.75 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। वहीं, बाद में इसकी कमाई में अच्छा खासा उछाल आया। हालांकि, अब धीरे-धीरे कमाई का ग्राफ थोड़ा सा डाउन होता नजर आ रहा है।

## जन्म के समय पिता मीना कुमारी को अनाथालय छोड़ आए थे

**पुण्यतिथि विशेष**

**मुंबई/एजेन्सी**

अपने दमदार और संजीदा अभिनय से सिने प्रेमियों के दिलों पर राज करने वाली ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी को उनके पिता अनाथालय छोड़ आए थे। एक अगस्त 1932 का दिन था। मुंबई में एक क्लीनिक के बाहर मास्टर अली बक्श नाम के एक शख्स बड़ी बेसब्री से अपनी तीसरी औलाद के जन्म का इंतजार कर रहे थे। दो बेटियों के जन्म लेने के बाद वह इस बात की दुआ कर रहे थे कि अल्लाह इस बार बेटे का मुंह दिखा दे, तभी अंदर से बेटी होने की खबर आयी तो वह माथा पकड़ कर बैठ गये।मास्टर अली बख्श ने तय किया कि वह बच्ची को घर नहीं ले जायेंगे और वह बच्ची को अनाथालय छोड़ आये लेकिन बाद में उनकी पत्नी के आंसुओं ने बच्ची को अनाथालय से घर लाने के लिये उन्हें मजबूर कर दिया। बच्ची का चांद सा माथा देखकर उसकी मां ने उसका नाम रखा माहजबीं। बाद में यही माहजबीं फिल्म इंडस्ट्री में मीना कुमारी के नाम से मशहूर हुई।

वर्ष 1939 मे बतौर बाल कलाकार मीना कुमारी को विजय भट्ट की लेदरफेस मे काम करने का मौका मिला। वर्ष 1952 मे मीना कुमारी को विजय भट्ट के निर्देशन मे ही बैजू बावरा मे काम करने का मौका मिला। फिल्म की सफलता के बाद मीना कुमारी बतौर अभिनेत्री फिल्म इंडस्ट्री मे अपनी पहचान बनाने मे सफल हो गई।वर्ष 1952 मे मीना कुमारी ने फिल्म निर्देशक कमाल अमरोही के साथ शादी कर ली। वर्ष 1962 मीना कुमारी के सिने कैरियर का अहम पड़ाव साबित हुआ। इस वर्ष उनकी आरती,मै चुप रहूंगी.और साहिब बीबी और गुलाम जैसी फिल्में प्रदर्शित हुई। इसके साथ हीं इन फिल्मों के लिये वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामित की गई। यह फिल्म फेयर के इतिहास मे पहला ऐसा मौका था जहां एक अभिनेत्री को फिल्म फेयर के तीन नोमिनेशन मिले थे। वर्ष 1964 मे मीना कुमारी और कमाल अमरोही की विवाहित जिंदगी मे दरार आ गई। इसके बाद मीना कुमारी और कमाल अमरोही अलग अलग रहने लगे। कमाल अमरोही की फिल्म ..पाकीजा ..के निर्माण मे लगभग चौदह वर्ष लग गए। कमाल अमरोही से अलग होने के बावजूद मीना कुमारी ने शूटिंग जारी रखी क्योंकि उनका मानना था कि पाकीजा जैसी फिल्मों मे काम करने का मौका बार बार नहीं मिल पाता है।मीना कुमारी के करियर में उनकी जोड़ी अशोक कुमार के साथ काफी पसंद की गई।

मीना कुमारी यदि अभिनेत्री नहीं होती तो शायर के रूप में अपनी पहचान बनाती। हिंदी फिल्मों के जाने माने गीतकार और शायर गुलजार से एक बार मीना कुमारी ने कहा था , ये जो एक्टिंग मैं करती हूं उसमें एक कमी है .ये फन. ये आर्ट मुझसे नही जन्मा है ख्याल दूसरे का .किरदार किसी का और निर्देशन किसी का।

## तेज सप्रू ने 'रजाकार' में अपनी भूमिका पर की खुलकर बात

**मुंबई/एजेन्सी**

त्रिदेव पाप को जला कर राख कर दूंगा अंदाज मोहरा जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाले अभिनेता तेज सप्रू फिल्म रजाकार में सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका निभा रहे हैं। अभिनेता ने कहा कि यह भूमिका एक अभिनेता के रूप में दर्शकों की उनके प्रति धारणा को बदल देगी। कई नेगेटिव रोल करने के बाद, उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका में कदम रखा है जिसने आधुनिक भारत को आकार दिया है। रजाकार एक पीरियड ड्रामा है और भारत के विभाजन के बाद की कहानी को सामने लाती है। तेलुगु और कन्नड़ में रिलीज होने के बाद यह फिल्म हिंदी और मराठी में रिलीज के लिए तैयार है।

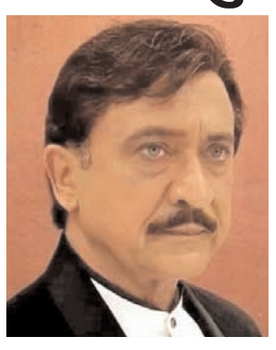

अभिनेता ने कहा कि विभाजन के बाद निज़ाम क्षेत्र भारत में नहीं था, और फिल्म भारत में निज़ाम क्षेत्र को शामिल करने की घटनाओं को प्रकाश में लाती है। तेज ने बताया कि रजाकर फिलहाल थोड़े विवाद में फंसी हुई है। कहानी उस समय की है जब बंटवारे के एक साल बाद भी निज़ाम का इलाका भारत का हिस्सा नहीं था। यह पाकिस्तान या तुर्की जा सकता था। निज़ाम क्षेत्र को भारत में शामिल करने के पीछे एक व्यक्ति ने अपनी पूरी ताकत लगा दी और वह थे सरदार वल्लभ भाई पटेल। मुझे पर्दे पर सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका निभाने का मौका मिला है। अब तक आपने ज्यादातर मुझे नेगेटिव भूमिकाओं में देखा है लेकिन इस फिल्म को देखने के बाद आपकी धारणा बदल जाएगी।

फिल्म से जुड़े विवाद के बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा कि रजाकार निज़ाम के सैनिक थे और बहुत क्रूर थे। वे महिलाओं से बलात्कार करते थे, लोगों की हत्या करते थे या उनका धर्म परिवर्तन कराते थे। फिल्म ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है, इसलिए मुझे विवाद का कारण समझ नहीं आ रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | सोमवार | 01-04-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

भगवान महावीर ने पुस्तक की सुरक्षा के लिए कवर की, शरीर की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य की नितान्त आवश्यकता बताई, वैसे ही जीवन की सुरक्षा व इहलोक एवं परलोक की सुरक्षा के लिए धर्म की आवश्यकता है। धर्म के क्षेत्र में छलावा या प्रदर्शन न हो। छल कपट, प्रपंच न हो। आत्मशुद्धि का साधन ही धर्म है।

# चुनाव में शतप्रतिशत मतदान हो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। नगर के बोडीपालयम स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए आगामी आम चुनाव के संबंध में एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने अपने अपने हुनर व मशक्कत से मतदाताओं में जागरूकता के लिए प्रचार सामग्री तैयार की। कुल 60 विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। सर्वश्रेष्ठ स्लोगन व आकर्षक बैनर बनाने वाले श्रीधर का बैनर प्रथम चुना गया, जिसे उन्होंने 10 मिनट में अंतिम रूप दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबतूर)के संस्थापक राजेश कुमार गादिया ने सर्वश्रेष्ठ बैनर का चुनाव किया और कहा की बच्चों में रचनात्मकता उनको अवसर प्रदान करने से ही बाहर आएगा, सेवा संघ विभिन्न आयोजनों से विद्यार्थियों में प्रतियोगी भावना जगाकर उनको जीवन की दौड़ में कश्मकश से सामना करने का जज्बा जगाता आया है,आज भी देश व समाज के लिए चुनाव के महत्व की थीम पर इस आयोजन का हिस्सा बनकर सेवा संघ ने पुरस्कार प्रदान किए,सेवा संघ इन बैनरों को थोक में छपवाकर आमजनों में मतदान के प्रति जागरूकता फैलाएगा। समारोह में विद्यालय की प्रधान अध्यापिका रानी ने भी संबोधन दिया। अध्यापक सत्यनारायणन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# नेत्रहीन व्यक्तियों को नाश्ता वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई नॉर्थ टाऊन द्वारा तमिलनाडु ब्लाइंड एसोसिएशन, तंडियारपेट में अन्नदानम के तहत 31 मार्च को सुबह धर्मीचंद संजय कुमार सुराणा परिवार के सहयोग से नाश्ता करवाया गया। इस मौके पर चेयरमैन दिलखुशराज धोका, सह सचिव महावीरचंद सबदडा, गवर्निंग काउंसिल सदस्य ज्ञानचंद कोठारी, कीशोर लुणावत, संजय सुराणा, पारस रांका, कुणाल बाफना आदि सदस्यों ने करीब 50 नेत्र हीन व्यक्तियों को नाश्ता कराया।

# चुनावी बॉण्ड के कारण ही चंदे का स्रोत, लाभार्थियों का पता चल सका : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी बॉण्ड के मुद्दे से उनकी सरकार को झटका लगने की बात रविवार को खारिज कर दी और कहा कि कोई भी प्रणाली पूरी तरह से सही नहीं है और खामियों को दूर किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस विषय पर हंगामा करने वाले लोगों को पछतावा होगा।

'थंथी' टीवी पर एक साक्षात्कार के दौरान जब उनसे यह पूछा गया कि क्या चुनावी बॉण्ड विवरण से सत्तारूढ़ भाजपा को झटका लगा है, मोदी कहा, ''मुझे बताइए कि हमने ऐसा क्या कर दिया कि मैं इसे एक झटके के तौर पर देखूं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि जो इसे (बॉण्ड के विवरण) को लेकर हंगामा कर रहे हैं और इसपर गर्व कर रहे हैं उन्हें पछतावा होगा।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की चुनावी बॉण्ड योजना के कारण ही चंदे के स्रोतों और इसके लाभार्थियों का पता लगाया जा सका। उन्होंने कहा कि अगर आज जानकारी उपलब्ध हुई है तो उसकी वजह बॉण्ड हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या कोई एजेंसी 2014 में उनके केंद्र की सत्ता में आने से पहले के चुनावों के लिए धन के स्रोत और उनके लाभार्थियों के बारे में बता सकती है। उन्होंने कहा, ''कोई भी प्रणाली बिल्कुल सही नहीं होती। कुछ खामियां हो सकती हैं, जिन्हें दूर किया जा सकता है।''

विपक्षी दलों ने उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद हुए खुलासे का हवाला देते हुए सरकार के प्रति हमलवार रुख अपना रखा है। न्यायालय ने गुमनाम तरीके से चंदा देने को असंवैधानिक घोषित करते हुए चुनावी बॉण्ड से संबंधित सभी जानकारी सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था। आपराधिक जांच का सामना कर रहीं कई कंपनियों ने बड़ी मात्रा में बॉण्ड खरीदे थे।

साक्षात्कार के दौरान मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी को उनके हर काम में राजनीति नहीं देखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह देश के लिए काम करते हैं और तमिलनाडु देश की बड़ी ताकत है।

# बेंगलूरु के 'स्पा' में काम करने वाली महिला की उसके दोस्त ने हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के बेंगलूरु में एक महिला की उसके पुरुष मित्र ने कथित तौर पर इसलिए हत्या कर दी कि वह उसकी नौकरी की प्रकृति से नाखुश था। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार को जयनगर के शालिनी मैदान में हुई।

पुलिस ने मृतक की पहचान एक लॉज में रहने वाली कोलकाता की फरीदा खानम (42) के रूप में की है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने हत्या के आरोप में गिरीश (32) नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि फरीदा एक 'स्पा' में काम करती थी और गिरीश एक निजी कंपनी का कर्मचारी है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों मित्र थे।

उन्होंने बताया कि गिरीश, फरीदा के काम की प्रकृति को लेकर नाखुश था और उसपर काम छोड़ने के लिए दबाव बनाता था जिस कारण उन दोनों के बीच झगड़े हुआ करते थे। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को इसी बात को लेकर गिरीश ने चाकू से फरीदा पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने फरीदा को खून से लथपथ हालत में देखा और अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अधिकारियों ने कहा कि यह एक सुनियोजित हत्या का मामला प्रतीत होता है क्योंकि आरोपी के पास चाकू था। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

# बंगाल के जलपाईगुड़ी में तूफान से चार लोगों की मौत, 100 से अधिक घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल)/भाषा।** पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के कुछ हिस्सों में रविवार को 'अचानक' आए तूफान के कारण चार लोगों की मौत हो गई जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिला मुख्यालय शहर के अधिकांश हिस्सों और पड़ोसी मैनागुड़ी के कई इलाकों में ओलावृष्टि के साथ तेज हवाएं बहने से कई झोपड़ियां और मकान क्षतिग्रस्त हो गए, पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे गिर गए। उन्होंने बताया कि तूफान की वजह से राजारहाट, बार्निश, बकाली, जोरपाकड़ी, माधबडांगा और सप्तीबारी सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं एवं कई एकड़ क्षेत्र में लगी फसलों को नुकसान पहुंचा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तूफान के कारण हुई जनहानि पर रविवार को शोक व्यक्त किया और अधिकारियों से प्रभावित लोगों को उपयुक्त सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जलपाईगुड़ी जिले के कुछ हिस्सों में रविवार को अचानक आए तूफान से चार लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हुए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी-मैनागुड़ी इलाके में तूफान से प्रभावित हुए लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं। अपने प्रियजनों के खोने वालों के प्रति मेरी संवेदनाएं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों से बात की और भारी बारिश से प्रभावित लोगों को उपयुक्त सहायता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा,'' मैं बंगाल में भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं से प्रभावितों की मदद करने की अपील करता हूं।''

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान दिजेंद्र नारायण सरकार (52), अनिमा बर्मन (45), जगन रॉय (72) और समर रॉय (64) के रूप में हुई है। जलपाईगुड़ी जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''ओलावृष्टि से कई पैदल यात्री घायल हो गए। आपदा मोचन दल को तैनात किया गया है और सहायता केंद्र खोले गए हैं।''

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं और वे पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने जा रही हैं।

राजभवन के अधिकारियों ने बताया कि राज्यपाल सी वी आनंद बोस भी प्रभावित इलाकों का दौरा करने के लिए सोमवार को जलपाईगुड़ी रवाना होंगे। उन्होंने बताया कि जलपाईगुड़ी की स्थिति से निपटने के लिए राजभवन में एक आपातकालीन प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है।

धूपगुड़ी के विधायक निर्मल चंद्र रॉय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कई लोगों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बनर्जी ने कहा कि नागरिक प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन के कर्मियों को राहत कार्य के लिए तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''यह जानकर दुख हुआ कि आज दोपहर अचानक भारी बारिश और तूफानी हवाओं ने जलपाईगुड़ी-मैनागुड़ी के कुछ इलाकों में आपदा लायी, जिसमें जनहानि हुई, लोगों को चोटें आई, मकान क्षतिग्रस्त हुए, पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए।'' उन्होंने कहा, ''जिला प्रशासन लोगों की हुई मौत के मामले में परिजनों और घायलों को नियमों के अनुसार और एमसीसी (आदर्श आचार संहिता) का पालन करते हुए मुआवजा प्रदान करेगा।''

# समुलता तीन को मंड्या लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का निर्णय लेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (एस) के नेता और भाजपा नीत राजग के मांड्या लोकसभा सीट से अधिकारिक प्रत्याशी एच डी कुमारस्वामी ने रविवार को मौजूदा सांसद सुमलता अंबरीश से मुलाकात की और आगामी चुनावों में उनका सहयोग मांगा। कई भाषाओं की फिल्मों में काम कर चुकी और अभिनय से राजनीति में आईं सुमलता ने कहा कि वह अपने समर्थकों और शुभचिंतकों से परामर्श करने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व के साथ एक और दौर की चर्चा के बाद तीन अप्रैल को मांड्या से अपने फैसले की घोषणा करेंगी। लोकप्रिय फिल्म अभिनेता एम एच अंबरीश की पत्नी सुमलता पिछले आम चुनाव में बतौर निर्दलीय उम्मीदवार मंड्या लोकसभा सीट से निर्वाचित हुई थी और इस बार भाजपा से टिकट मांग रही हैं। मंड्या सीट का पूर्व में उनके दिवंगत पति ने प्रतिनिधित्व किया था और इस चुनाव में भाजपा ने सीट बंटवारे के तहत यह सीट अपने सहयोगी जद (एस) को दे दिया है।

सुमलता के आवास पर मुलाकात के बाद कुमारस्वामी ने कहा, 'सौहार्दपूर्ण माहौल में बैठक हुई। अंबरीश अन्ना (एम एच अंबरीश भइया) का घर मेरे लिए नया नहीं है, हम कई सालों से साथ रहे हैं। चार मार्च को, मैं मंड्या लोकसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल कर रहा हूं। इसके मद्देनजर मैं अक्का (बड़ी बहन-सुमलता) से सहयोग के लिए मिलने आया था । हमने कई मामलों पर चर्चा की।'

बेंगलूरु में संवाददाताओं को उन्होंने कहा कि सुमलता ने कल यहां समर्थकों और अनुयायियों के साथ एक प्रारंभिक बैठक की थी और तीन अप्रैल को मांड्या की अपनी यात्रा के दौरान शुभचिंतकों से परामर्श करने के बाद अपने फैसले की घोषणा करेंगी। उन्होंने कहा, उनके भी भाजपा के साथ अच्छे संबंध हैं और पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी (भाजपा) ने उनका समर्थन किया था। उन्होंने भाजपा नेतृत्व के साथ भी चर्चा की थी...कोई मांग नहीं है। कुमारस्वामी ने कहा कि सभी मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई और इसकी विस्तृत जानकारी मीडिया को नहीं दी जा सकती। कई दौर की चर्चा के बाद गठबंधन ने सीट समझौते को अंतिम रूप दिया था। इसके तहत भाजपा ने मंड्या के साथ-साथ कोलार और हासन लोकसभा सीट भी जद (एस) को दिया है।

सुमलता ने कहा कि यह एक स्वस्थ चर्चा' थी, इस दौरान कुमारस्वामी ने उनसे अतीत के मतभेदों को भूलकर सहयोग करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, मैंने उनसे कहा है कि मुझे कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने समर्थकों और शुभचिंतकों से चर्चा करना होगा और उनकी सहमति लेनी होगी। वह इस पर सहमत हुए। मैंने उनसे कहा है कि मैं तीन अप्रैल को मंड्या में अपने फैसले की घोषणा करूंगी। सुमलता ने कहा कि फिल्म स्टार दर्शन और उनके बेटे अभिषेक भी तीन अप्रैल को बैठक में उनके साथ होंगे, जब वह निर्णय की घोषणा करेंगी। उन्होंने कहा कि आज की चर्चा उनके चुनाव लड़ने को लेकर नहीं थी, बल्कि कुमारस्वामी के गठबंधन के आधिकारिक उम्मीदवार होने और प्रधानमंत्री मोदी के हाथ को मजबूत करने की जरूरत पर केंद्रित थी।

सुमलता ने कहा, ''मैं कुछ स्पष्टता के लिए भाजपा नेताओं के साथ एक और दौर की चर्चा करूंगी, उसके बाद मैं मांड्या के लोगों के सामने अपने फैसले की घोषणा करूंगी।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में राजनीतिक रूप से सबक सीखा है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि राजनीति एक शतरंज का खेल' और परिवर्तन होते रहते हैं।

# राजगढ़ सादुलपुर नागरिक परिषद ने फूलों से खेली होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के अग्रसेन भवन में राजगढ़ सादुलपुर नागरिक परिषद के सदस्य परिवारों ने होली मिलन में भाग लिया। मोनू गाड़िया ने राजस्थानी लोकगीतो की प्रस्तुति दी। सभी ने संगीत का आनंद लिया और उसके साथ नृत्य भी किया।

परिषद ने बेंगलूरु में रहने वाली राजगढ़ की बेटियों को भी आमंत्रित किया और उन्हें उपहार दिए। इस मौके पर भोजन की व्यवस्था सुनील सुराणा द्वारा की गई और सभी ने इसका आनंद लिया। समारोह में परिषद के संरक्षक मुरारीलाल सरावगी, अध्यक्ष प्रभात किशनपुरिया, रतन कंदोई, राजकुमार कंदोई, महेश गोयल, नरपत सुराणा, संतोष अग्रवाल, संदीप अग्रवाल आदि ने भाग लिया। परिषद ने कुछ अतिथियों को भी आमंत्रित किया जिनमें जय प्रकाश गुप्ता, सुरेश कुमार मोदी, रमेश अग्रवाल आदि शामिल रहे। इस कार्यक्रम की व्यवस्था गोपाल गोयल की युवा टीम अध्यक्षता ने संभाली। धन्यवाद ज्ञापन राजकुमार कन्दोई ने तथा संचालन महेश गोयल ने किया।

## बातचीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केंद्रीय पर्यटन मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी रविवार को सिकंदराबाद में जैन भवन का दौरा कर रहे थे और लोकसभा चुनाव से पहले जैन समिति के सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए।

## भजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शहर के भोगादि ग्राम स्थित शीतला माता मंदिर के प्रांगण में शनिवार रात्रि को सर्व राजस्थानी व्यापारी संघ की ओर से शीतला सप्तमी के उपलक्ष पर एक शाम शीतला माता के नाम भजन संध्या रखी गई। सर्व लोगों ने माँ शीतला की पूजा अर्चना की गई जिसमें स्थानीय भजन गायक राजूराम पटेल एवं भजन मंडल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.